दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी रोजगार के मुद्दे पर युवाओं को कर रहे हैं गुमराह : भाजपा

6 बढता हुआ कोलेस्ट्रॉल स्वास्थ्य के लिए घातक

7 सुरक्षा परिषद, डब्ल्यूटीओ में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है ब्रिक्स : बिरला

फर्स्ट टेक

राजनाथ एम्स में भर्ती, हालत स्थिर

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को तबीयत खराब होने के बाद बृहस्पतिवार तड़के यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार सिंह को तड़के तीन बजे कमर में दर्द की शिकायत के बाद एम्स में भर्ती कराया गया जहां न्यूरो सर्जरी विभाग में उनका उपचार किया जा रहा है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर निरंतर नजर रखे हुए हैं और अभी उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

जदयू ने बिहार को विशेष दर्जा देने की मांग दोहराई

पटना/एजेन्सी। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने केंद्र सरकार से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। जदयू के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने गुरुवार को राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग दोहराते हुए यहां संवाददाताओं से कहा कि भौगोलिक और ऐतिहासिक कारणों से बिहार प्राकृतिक संसाधनों से वंचित है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख सहयोगी जदयू लंबे समय से यह मांग कर रहा है और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। चौधरी ने कहा कि बिहार में न तो कोई खदान न खनिज और न ही कोई समुद्रतट है। किसी भी राज्य में सोने की खदान होना न तो सरकार की उपलब्धि है और न ही लोगों की। उन्होंने कहा कि बिहार इतना भाग्यशाली नहीं है कि उसके पास ऐसी कोई खदान हो और यह विशेष राज्य का दर्जा पाने के लिए उपयुक्त मामला है।

इमरान खान की हरकत 'आतंकवादी' के समान : पाकिस्तानी अदालत

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने बृहस्पतिवार को कहा कि नौ मई की हिंसा से जुड़े मामले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हरकतें एक ''आतंकवादी'' के समान थीं। इसने कहा कि उन्होंने अपनी रिहाई के लिए दबाव बनाने के वास्ते पार्टी नेताओं को सैन्य प्रतिष्ठानों, सरकारी संपत्तियों और पुलिस अधिकारियों पर हमला करने का काम सौंपा। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के 71 वर्षीय संस्थापक और उनकी पार्टी के सैकड़ों सहयोगियों पर कई मामलों के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है। इनमें नौ मई 2023 को उनके समर्थकों द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शन के संबंध में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत एक मामला भी शामिल है। भ्रष्टाचार के मामले में खान की गिरफ्तारी के बाद भड़के हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान पूरे पाकिस्तान में प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले किए गए थे।

सूर्यास्त 12-07-2024 6:39 बजे	सूर्योदय 13-07-2024 5:49 बजे
BSE 79,897.34 (-27.43)	NSE 24,315.95 (-8.50)
सोना 7,606 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 99,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चरम अहिंसक

चींटी तक को बिना बात,
मारा हो हमको याद नहीं।
कर दें दुश्मन को क्षमा स्वयं,
दायर करते प्रतिवाद नहीं।
फांसी देने में भी विलंब,
सेवक हैं हम सय्याद नहीं।
हो गए अहिंसक अब इतने,
जेलों तक में जल्लाद नहीं।।

सेवानिवृत्त अग्निवीरों को अर्धसैनिक बलों में 10 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा

▪ **शारीरिक जांच और उम्र में भी अग्निवीरों को छूट दी जायेगी।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। विपक्ष की अग्निवीर योजना को रद्द किये जाने की मांग के बीच सरकार ने कहा है कि सेवानिवृत्त अग्निवीरों के लिये सभी अर्धसैनिक बलों में सिपाहियों के 10- 10 प्रतिशत पद आरक्षित किये जायेंगे, साथ ही उन्हें शारीरिक जांच और उम्र में भी छूट दी जायेगी।

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सशस्त्र सीमा बल और रेवले सुरक्षा बल जैसे अर्धसैनिक बलों के महानिदेशकों ने बृहस्पतिवार को बताया कि उन्होंने सेवानिवृत अग्निवीरों की भर्ती के संबंध में सभी तैयारी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत अग्निवीरों के लिये बलों में सिपाहियों के 10- 10 प्रतिशत पद आरक्षित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों को शारीरिक परीक्षण में कुछ छूट दी जायेगी, साथ ही उन्हें आयु में भी छूट दी जायेगी। पहले बैच के अग्निवीरों को पांच वर्ष की और इसके बाद के बैच को उम्र में तीन वर्ष की छूट दी जायेगी। उन्होंने कहा कि दोनों बल यह सुनिश्चित करेंगे कि सेवानिवृत अग्निवीरों को भर्ती में इन छूट का अधिक से अधिक लाभ मिले।

अग्निवीरों को शारीरिक परीक्षण में छूट पर सरकार की ओर से कहा गया है कि अग्निवीरों की भर्ती के समय उनका शारीरिक परीक्षण किया जाता है और जिसके पास यह परीक्षण प्रमाण पत्र होगा, उसे छूट दी जा सकती है। अधिकारियों ने कहा कि सेनाओं में प्रशिक्षित अग्निवीर मिलने से दोनों बलों की क्षमता और दक्षता बढ़ेगी।

लोकतंत्र में सब कुछ ठीक नहीं, सभी दलों को आत्मचिंतन की जरूरत : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ **सदन में आसन के सामने हंगामा और नारेबाजी किसी भी पीठासीन अधिकारी के लिए पीड़ादायक स्थिति है। सभापति और अध्यक्ष को दोनों पक्षों द्वारा अपनी सुविधा से निशाना बनाया जा रहा है। शिष्टाचार और अनुशासन लोकतंत्र का हृदय हैं और पीठासीन अधिकारी का सम्मान किया जाना चाहिए।**

मुंबई/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को दुख जताते हुए कहा कि देश में लोकतांत्रिक राजनीति एक नए निम्न स्तर पर पहुंच गयी है और उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आत्मचिंतन करने का आह्वान किया। राज्य विधान परिषद के शताब्दी समारोह के अवसर पर महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए धनखड़ ने यह भी कहा कि लोकतंत्र बहस और संवाद से पनपता है, लेकिन वर्तमान में राजनीतिक दलों के बीच संवादहीनता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, लोकतांत्रिक राजनीति एक नए निम्न स्तर पर पहुंच गयी है और सभी राजनीतिक दलों को आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, संसदीय लोकतंत्र में सब कुछ ठीक नहीं है। हम व्यवधान झेल रहे हैं। राजनीतिक दलों के बीच संवादहीनता है।

राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने कहा कि सदन में आसन के सामने हंगामा और नारेबाजी किसी भी पीठासीन अधिकारी के लिए पीड़ादायक स्थिति है। उन्होंने कहा कि सभापति और अध्यक्ष को दोनों पक्षों द्वारा अपनी सुविधा से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिष्टाचार और अनुशासन लोकतंत्र का हृदय हैं और पीठासीन अधिकारी का सम्मान किया जाना चाहिए। धनखड़ ने कहा, हम दूसरे दृष्टिकोण के प्रति भी उदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पार्टियां अक्सर सौहार्दपूर्ण नजरिये के बजाय टकराववादी और विरोधात्मक दृष्टिकोण अपनाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नैतिकता और सदाचार भारत में सार्वजनिक जीवन की पहचान हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्य विधानसभाएं और संसद लोकतंत्र के उत्तरी ध्रुव हैं, जबकि विधायक और सांसद इसके प्रकाश स्तंभ हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि सत्ता पक्ष पीठासीन अधिकारी के आसन के दायीं ओर होता हैं, लेकिन मानव शरीर में हृदय बायीं ओर होता है और इसी से आसन की कार्यप्रणाली निर्धारित होनी चाहिए।

महाराष्ट्र विधान परिषद के शताब्दी समारोह को उल्लेखनीय मील का पत्थर बताते हुए धनखड़ ने 17वीं शताब्दी के प्रतिष्ठित शासक छत्रपति शिवाजी महाराज को भी याद किया।

मोदी ने नए आईएएस अधिकारियों को बदलाव का उत्प्रेरक एजेंट बनने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राजधानी में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2022 बैच के 181 अधिकारी प्रशिक्षुओं से बातचीत की और उन्हें देश में स्वस्थ बदलाव के उत्प्रेरक एजेंट की भूमिका निभागने के लिए प्रेरित किया।

इन अधिकारियों को केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में शामिल किया गया है। उनके साथ यह बैठक सुषमा स्वराज भवन में आयोजित की गयी। प्रधानमंत्री ने उनको संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें उत्प्रेरक एजेंट बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए और जब वे अपनी आंखों के सामने बदलाव होते देखेंगे तो उन्हें संतुष्टि महसूस होगी।

उन्होंने कार्मिक राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा, कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, और सचिव (गृह और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) ए.के. भल्ला तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कहा, अब यह आप की पसंद है कि आप सेवा वितरण में स्पीड ब्रेकर (गित अवरोधक) बनना चाहते हैं या सुपरफास्ट हाईवे।

मोदी ने कहा कि नया भारत सुस्त रवैये से संतुष्ट नहीं है और सक्रियता की मांग करता है और अधिकारियों को चाहिए कि वे सभी नागरिकों को सर्वोत्तम संभव सुशासन, विनिर्माण की गुणवत्ता और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करें। मोदी ने कहा कि उनके लिए राष्ट्र प्रथम केवल एक नारा नहीं बल्कि उनके जीवन का उद्देश्य है और उन्होंने अधिकारियों से इस यात्रा में उनके साथ चलने का आह्वान किया।

नीट-यूजी लीक मामला:

सीबीआई ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर कार्रवाई शुरू होने के बाद से फरार एक कथित आरोपी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने बिहार के नालंदा से संबंध रखने वाले और मुख्य आरोपी संजीव मुखिया का रिश्तेदार बताए जा रहे रॉकी उर्फ राकेश रंजन को पटना के बाहरी इलाके से पकड़ लिया। सीबीआई मामले की जांच संभालने के बाद से ही उसकी उसकी तलाश कर रही थी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

स्वागत

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने बृहस्पतिवार को ब्राजील के न्यायाधीश एंतोनियो हर्मन बेंजामिन का स्वागत किया तथा उन्हें ''भारत का अच्छा मित्र'' बताया। न्यायमूर्ति बेंजामिन भारत की यात्रा पर आए हैं। उन्होंने सीजेआई तथा उच्चतम न्यायालय के दो अन्य न्यायाधीशों के साथ मंच साझा किया तथा न्यायिक प्रक्रियाएं देखीं। न्यायमूर्ति बेंजामिन का जुलाई में ब्राजील के उच्चतम न्यायालय का प्रधान न्यायाधीश बनना तय है।

मणिपुर आज भी बंटा हुआ है, प्रधानमंत्री राज्य का दौरा कर शांति की अपील करें : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ''मणिपुर की स्थिति में आज भी सुधार नहीं हुआ है और वह दो टुकड़ों में बंटा हुआ है'', ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्य का दौरा कर लोगों की तकलीफ सुननी चाहिए और शांति की अपील करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दल मणिपुर में शांति की ज़रूरत को संसद में पूरी शक्ति के साथ उठाकर, सरकार पर इस त्रासदी को खत्म करने का दबाव बनाएंगे।

राहुल गांधी ने गत सोमवार को मणिपुर का दौरा कर हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की थी। उन्होंने अपने इस दौरे का एक वीडियो बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। उन्होंने कहा कि 22 जुलाई से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र में मणिपुर का मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने वीडियो साझा करते हुए पोस्ट किया, ''मणिपुर में हिंसा शुरू होने के बाद, मैं तीसरी बार यहां आ चुका हूं, मगर अफसोस स्थिति में कोई सुधार नहीं है – आज भी प्रदेश दो टुकड़ों में बंटा हुआ है। घर जल रहे हैं, मासूम ज़िंदगियां खतरे में हैं और हज़ारों परिवार राहत शिविर में जीवन काटने पर मजबूर हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को खुद मणिपुर आ कर प्रदेशवासियों की तकलीफ़ सुनने के साथ ही शांति की अपील करनी चाहिए।

राहुल गांधी ने यह भी कहा, ''कांग्रेस पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन मणिपुर में शांति की ज़रूरत को संसद में पूरी शक्ति के साथ उठाकर, सरकार पर इस त्रासदी को खत्म करने का दबाव बनाएंगे।'' वीडियो के मुताबिक, जब राहल गांधी ने महिलाओं के एक समूह के समक्ष सवाल किया कि हिंसा क्यों शुरू हुई तो उन्होंने कहा कि गहतफहमी के कारण शुरू हुई और हिंसा से किसी का फायदा नहीं है।

नीट-यूजी 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर 18 को सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह विवादों से घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर 18 जुलाई को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार और नीट-यूजी का आयोजन करने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शीर्ष अदालत के आठ जुलाई के निर्देश के अनुसार अपना-अपना हलफनामा दाखिल कर दिया है।

गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर आज आएगा फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर उच्चतम न्यायालय शुक्रवार को अपना फैसला सुनाएगा। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई 12 जुलाई की सूची के अनुसार न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ फैसला सुनाएगी। पीठ ने 17 मई को केजरीवाल की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। पीठ में न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने 15 अप्रैल को धनशोधन मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर ईडी से जवाब मांगा था। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक ने दिल्ली उच्च न्यायालय के नौ अप्रैल के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखते हुए कहा था कि इसमें कोई अवैधता नहीं है और जांच में उनके शामिल होने से बार-बार इनकार करने के बाद ईडी के पास कोई विकल्प नहीं बचा था।

भारत ने बिम्सटेक समूह में नई ऊर्जा भरने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को सात देशों के बिम्सटेक समूह से बंगाल की खाड़ी के देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नई ऊर्जा, संसाधन और नई प्रतिबद्धता का आह्वान किया। यह अपील विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रीय राजधानी में दो दिवसीय सम्मेलन में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) सदस्य देशों के अपने समकक्षों की मेजबानी करते हुए की।

पहले दिन के विचार-विमर्श में संपर्क, व्यापार और व्यवसाय में सहयोग, स्वास्थ्य और अंतरिक्ष में सहयोग, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण तथा सामाजिक आदान-प्रदान को शामिल किया गया।

बिम्सटेक दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के सात देशों को बहुआयामी सहयोग के लिए एक साथ लाता है।

भारत के अलावा बिम्सटेक में श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमा, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं।

जयशंकर ने कहा कि बिम्सटेक को उच्च आकांक्षाएं रखनी चाहिए।

जयशंकर ने सम्मेलन के पहले दिन अपनी शुरुआती टिप्पणी में कहा, भारत के लिए बिम्सटेक उसके 'पड़ोस प्रथम' दृष्टिकोण, 'पूर्व की ओर देखो नीति' और 'सागर' दृष्टिकोण के अहम पड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, इनमें से प्रत्येक प्रयास बंगाल की खाड़ी पर विशेष ध्यान देने के साथ प्रस्तावित किया जा रहा है, जहां सहयोगात्मक क्षमता का लंबे समय से उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हमारी चुनौती इसे बेहतर बनाने की है, और ऐसा तेजी से करना है।

बिम्सटेक को क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक जीवंत मंच बनाने के लिए भारत ठोस प्रयास कर रहा है, क्योंकि दक्षेस (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) के तहत पहल विभिन्न कारणों से आगे नहीं बढ़ रही थी। भारत, 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) की व्यापक नीति रूपरेखा के अंतर्गत हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग कर रहा है।

बिम्सटेक विदेश मंत्रियों की बैठक का उद्देश्य खुले तौर पर, स्पष्ट और फलदायी ढंग से विचारों का आदान-प्रदान करना है।

जयशंकर ने कहा, बैंकॉक में पिछले सम्मेलन से हम सभी को लाभ मिला था। अब इस सम्मेलन का विशेष महत्व है क्योंकि यह इस वर्ष के अंत में होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए मजबूत परिणाम तैयार करने का काम करेगा। उन्होंने कहा, हमारा संदेश स्पष्ट होना चाहिए – कि हम सभी बंगाल की खाड़ी के देशों के बीच सहयोग में नई ऊर्जा, नए संसाधन और नई प्रतिबद्धता लाने के लिए कृतसंकल्पित हैं।

जयशंकर ने म्यांमार के विदेश मंत्री से कहा

म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी का समर्थन करता है भारत

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बृहस्पतिवार को म्यांमार के अपने समकक्ष यू थान स्वे से कहा कि भारत म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी का समर्थन करता है। साथ ही उन्होंने म्यावाड्डी शहर में साइबर घोटाले में शामिल गिरोहों द्वारा अवैध रूप से हिरासत में लिए गए भारतीयों की शीघ्र वापसी पर भी जोर दिया। यू थान स्वे के साथ बैठक में जयशंकर ने भारत-म्यांमार सीमा पर अवैध मादक पदार्थों के प्रवाह, हथियारों के व्यापार और विद्रोही समूहों की गतिविधियों का मुद्दा भी उठाया। यह वार्ता दिल्ली में बिम्सटेक समूह के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान हुई। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा, बिम्सटेक विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान म्यांमार के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री यू थान स्वे से मुलाकात की। सीमा स्थिरता और विस्थापित लोगों के प्रवाह के संबंध में अपनी चिंताओं को साझा किया। उन्होंने कहा, इसके अलावा अवैध मादक पदार्थों और हथियारों के व्यापार तथा उग्रवादी समूहों की गतिविधियों के मुद्दों पर भी बात की गई। साइबर घोटाले करने वाले गिरोहों द्वारा अवैध रूप से हिरासत में लिए गए भारतीयों की शीघ्र वापसी के लिए भी जोर दिया गया।

यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि महिलाएं परिवार नियोजन के विकल्प तय करने में सक्षम हों : जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'विकसित भारत' का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब भारत के परिवारों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहे और यह लक्ष्य छोटे परिवारों द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं परिवार नियोजन के विकल्प तय करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें और उन पर अनचाहे गर्भधारण का बोझ न पड़े।

'विश्व जनसंख्या दिवस' के अवसर पर नड्डा ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ डिजिटल बैठक की। कार्यक्रम की विषय-वस्तु मां और बच्चे की भलाई के लिए गर्भधारण का उचित समय और अंतराल थी।

मंत्री ने कहा कि विकल्प के तौर पर आधुनिक गर्भनिरोधकों की उपलब्धता है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गर्भनिरोधकों को उपलब्ध कराने के रास्ते में आने वाली अड़चनों को दूर किया जाए, विशेष रूप से अधिक (जनसंख्या) बोझ वाले राज्यों, जिलों और प्रखंडों में। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि विश्व की जनसंख्या का पांचवां हिस्सा भारत का है, जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में कार्य करने की पुनः पुष्टि और प्रतिबद्धता के रूप में विश्व जनसंख्या दिवस मनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

नड्डा ने कहा, विकसित भारत का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब भारत के परिवारों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहे, जिसे छोटे परिवारों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्यों को सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं परिवार नियोजन के विकल्प तय करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें और उन पर अनचाहे गर्भधारण का बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम का उद्देश्य 'अपनी इच्छा से और सूविज्ञ निर्णय द्वारा जन्म' होना चाहिए।

युवाओं, किशोरों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सभी के लिए एक उज्ज्वल, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने पर सरकार के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा, सहयोग महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आगामी जिम्मेदारियों को पूरा करते हैं और परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य को मौलिक मानते हैं। नड्डा ने राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम की सफल योजनाओं में से एक 'मिशन परिवार विकास' (एमपीवी) पर बात की, जिसे शुरू में सात उच्च फोकस वाले राज्यों के 14 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों (एचपीडी) के लिए शुरू किया गया था और बाद में इन राज्यों और छह पूर्वोत्तर राज्यों के सभी जिलों को कवर करने के लिए इसका विस्तार किया गया। उन्होंने योजना के प्रभाव पर जोर दिया और इन राज्यों में गर्भनिरोधकों तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि तथा मातृ, शिशु और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में सफलतापूर्वक कमी को रेखांकित किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, जिलों को इस योजना का प्राथमिक केन्द्र बिन्दु बनाने से पूरे राज्य में टीएफआर (कुल प्रजनन दर) को नीचे लाने में मदद मिली। मिशन परिवार विकास ने न केवल राज्यों की टीएफआर को कम करने में योगदान दिया है, बल्कि राष्ट्रीय टीएफआर कम करने में भी मदद की है। उन्होंने कहा, हमें उन राज्यों में कम टीएफआर बनाए रखने की दिशा में काम करने की जरूरत है, जिन्होंने इसे पहले ही हासिल कर लिया है, तथा अन्य राज्यों में भी इसे हासिल करने की दिशा में काम करना होगा।

पराली जलाने से रोकने के लिए किसानों को 22 हजार सीआरएम मशीन दी जाएंगी

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब सरकार राज्य के किसानों को 22 हजार से अधिक 'फसल अपशिष्ट प्रबंधन' (सीआरएम) मशीन मुहैया कराएगी ताकि पराली जलाने की समस्या का समाधान किया जा सके। राज्य के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों से सुनिश्चित करने को कहा गया है कि इसी महीने रियायती दर पर मशीन मुहैया कराने के लिए लॉटरी निकाली जाए और अगस्त के आखिर तक लाभार्थी किसानों को सब्सिडी की राशि दे दी जाए। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने पराली जलाने से रोकने के लिए 500 करोड़ रुपये की कार्ययोजना बनाई है। सीआरएम मशीन किसानों को खरीफ सत्र 2024-25 में रियायती दर पर दी जाएंगी। उन्होंने कहा, ''किसान इन मशीनों के लिए 50% सब्सिडी प्राप्त कर सकते हैं जबकि पंचायत और सहकारी समितियों के लिए सब्सिडी 80% तय की गई है।''

ईडी ने 25,000 करोड़ रुपए की बैंक ऋण धोखाधड़ी के मामले में कंपनी प्रवर्तक को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 25,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत एक दिवालिया ऑटोमोटिव उपकरण विनिर्माण कंपनी के निदेशक को गिरफ्तार किया है। निदेशालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। निदेशालय ने एक बयान में बताया कि 'एमटेक' समूह के निदेशकों में शामिल और कंपनी के प्रवर्तक अरविंद धाम को मंगलवार (नौ जुलाई) को हिरासत में लिया गया। धाम को दिल्ली में एक विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष बुधवार को पेश किया गया जिसने उसे सात दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने कहा कि कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ धनशोधन का मामला सीबीआई की उस प्राथमिकी से सामने आया है जो आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की लिखित शिकायतों के आधार पर दर्ज की गई थी। एजेंसी ने बताया कि यह आरोप लगाया गया था कि धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक विश्वासघात करके ऋणों का इस्तेमाल कहीं और किया गया, जिससे बैंकों को गलत तरीके से 673.35 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

नक्सलवाद पर लगाम लगाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र विधानसभा में पेश किया गया विधेयक

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने व्यक्तियों और संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को विधानसभा में एक विधेयक पेश किया, जिसके बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जोर देकर कहा कि प्रभावी कानूनी माध्यमों से ग्रामीण और शहरी इलाकों में नक्सली संगठनों की बढ़ती मौजूदगी पर शिकंजा कसने की जरूरत है। 'महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा अधिनियम 2024' नामक इस विधेयक को शहरी क्षेत्रों में नक्सलवाद और उसके समर्थकों से होने वाले खतरों पर अंकुश लगाने के लिए अहम माना जा रहा है। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा ने गैरकानूनी गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम के लिए जन सुरक्षा अधिनियम बनाए हैं।

गुजरात में गुणवत्ता को बनाएंगे विकास की आधारशिला : मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य गुणवत्ता को पूरी सफलता से अपनाने और इसे राज्य में विकास की आधारशिला बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पटेल ने गुजरात में गुणवत्ता को लेकर प्रतिबद्धता जताने वाली पहल 'गुणवता संकल्प गुजरात' की शुरुआत के मौके पर यह बात कही। भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) की इस पहल का उद्देश्य राज्य में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गुणवत्ता हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करना है।

एक बयान के मुताबिक, 'गुणवता संकल्प गुजरात' पहल का उद्देश्य गुणवत्ता हस्तक्षेपों के माध्यम से राज्य सरकार की पहल को बढ़ाना और उनका समर्थन करना, जमीनी स्तर पर गुणवत्ता की बुनियाद स्थापित करना और अमृत काल में 'विकसित गुजरात' के लिए एक समग्र गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि कुछ साल पहले तक भारत में गुणवत्ता एक बड़े पैमाने पर नजरअंदाज किया जाने वाला शब्द था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश गुणवत्ता की ओर बढ़ रहा है। पटेल ने कहा, ''चाहे मेक इन इंडिया हो, डिजिटल इंडिया हो या आत्मनिर्भर भारत, प्रधानमंत्री ने जो भी आंदोलन शुरू किए हैं, उनमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है। हम गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और मुझे विश्वास है कि हम इसे विकास की आधारशिला बनाने में 100 प्रतिशत सफलता हासिल करेंगे।'' इस अवसर पर क्यूसीआई के चेयरमैन जक्षय शाह ने कहा, ''इस पहल का उद्देश्य जीवन, आजीविका और उद्योग के हर पहलू में गुणवत्ता के सिद्धांतों को शामिल करना है। हम साथ मिलकर गुणवत्ता और उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित करेंगे, जिससे गुजरात विकसित भारत का पहला विकसित राज्य बनेगा।'' 'गुणवत्ता संकल्प' राज्य की सहभागिता पर आधारित पहल है। इसमें क्यूसीआई राज्यों के साथ मिलकर उनकी विकास यात्रा को अखिल भारतीय गुणवत्ता आंदोलन का हिस्सा बनाता है। यह सरकार और उद्योग के हितधारकों को साथ लाता है, बाधाएं दूर करता है और गुणवत्ता का पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए रूपरेखा बनाता है। यह गुणवत्ता संकल्प का पांचवां संस्करण था। इससे पहले उत्तर प्रदेश, असम, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में इसके संस्करण आयोजित किए जा चुके हैं।

बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में मुख्य आरोपी ने दुर्घटना के समय शराब पी रखी थी: पुलिस

मुंबई/भाषा। बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में मुख्य आरोपी मिहिर शाह जिस समय भीषण दुर्घटना हुई तब शराब के नशे में था। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई थी।

मामले की जांच कर रही एक टीम ने घटनाक्रम के बारे में ज्यादा जानकारी जुटाने के लिए आज तड़के घटनास्थल पर जाकर मुआयना किया। इसके अलावा टीम में शाह और उसके परिवार के वाहन चालक व सह-आरोपी राजश्री बिदावत से पूछताछ की, जो रविवार को हुई दुर्घटना के समय कार में सवार था। वर्ली के एनी बेसेंट रोड पर रविवार तड़के साढ़े पांच बजे एक बीएमडब्ल्यू कार ने पीछे से दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी, जिसके कारण कावेरी नखवा (45) की मौत हो गई थी जबकि उसका पति प्रदीप घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि शाह को मंगलवार को पड़ोसी पालघर जिले के विरार फाटा से गिरफ्तार किया गया था और वर्ली पुलिस की एक टीम उससे पूछताछ कर रही है। अधिकारी ने कहा, हमारी जांच में पता चला है कि दुर्घटना के समय वह शराब के नशे में था।

देश के करीब 80% इलाके तक पहुंचा मोबाइल, 4जी का दायरा बढ़ाना प्राथमिकता : संचार मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि मोबाइल फोन देश के 70 से 80 फीसद इलाके तक पहुंच चुका है और 4जी नेटवर्क का दायरा बढ़ाना उनकी प्राथमिकताओं में शुमार है। सिंधिया ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, ''देश के 70 से 80 प्रतिशत इलाके में मोबाइल फोन पहुंच चुका है और फिलहाल ऐसे 120 करोड़ उपकरण इस्तेमाल किए जा रहे हैं। अब हमारी प्राथमिकता है कि देश में 4जी नेटवर्क का दायरा बढ़ाया जाए।'' उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व में पहली बार स्वदेशी तकनीक से ''4जी स्टेक'' बनाया है और इसके बूते देश के 100 प्रतिशत इलाके में 4जी नेटवर्क पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

सिंधिया के पास पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय भी है। उन्होंने बताया कि वह शुक्रवार से पूर्वोत्तर के राज्यों के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत असम और मेघालय से करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम पूर्वोत्तर के राज्यों की खूबियों और क्षमताओं के आधार पर उनके विकास की रणनीति बनाएंगे। इसके लिए संबंधित प्रदेश सरकारों के साथ बैठक करके फैसले किए जाएंगे।''यह पूछे जाने पर कि मणिपुर में जातीय संघर्ष के हालात से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर कौन-से कदम उठाए जा रहे हैं, सिंधिया ने सीधा जवाब टालते हुए कहा कि वह पूर्वोत्तर के राज्यों के विकास की अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

उत्तराखंड : बद्रीनाथ राजमार्ग अवरूद्ध होने से श्रद्धालु मुसीबत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के चमोली जिले के जोगीधारा में हुए भूस्खलन के कारण पिछले तीन दिन से बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग के अवरूद्ध होने से हिमालयी धाम तथा हेमकुंड सहिब जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस ने श्रद्धालुओं को लेकर जा रहे वाहनों को चमोली और कर्णप्रयाग के बीच रोक दिया, जिससे लंगासू थाने के निकट जाम जैसी स्थिति बन गयी।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के कर्मी जोगीधारा में मलबे के ढेर को पार करने में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत श्रद्धालुओं की मदद कर रहे हैं जबकि वाहनों में यात्रा करने वाले लोग लंगासू थानक्षेत्र के मुख्य मार्ग पर आवाजाही शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। राजमार्ग के अवरूद्ध होने के कारण बद्रीनाथ विधानसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को हुए मतदान के लिए दूरस्थ स्थानों पर गए चुनावकर्मियों को भी गोपेश्वर लौटने में भी दिक्कत हुई। जिला निर्वाचन कार्यालय ने बताया कि चुनावकर्मी द्रोणागिरी, जुम्मा और कोशा जैसे दूरस्थ मतदान केंद्रों से मतदान उपकरणों और सामग्री के साथ हेलीकॉप्टर के जरिए गोपेश्वर लौटे।

चमोली के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सड़क पर पड़े मलबे को साफ करने में जुटा है हालांकि, पहाड़ी से लगातार मलबा गिरने के कारण सफाई के कार्य में दिक्कत आ रही है। वहीं मानसून शुरू होते ही भूस्खलन के कारण मार्गों के अवरूद्ध होने से धामों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आयी है। बुधवार को बद्रीनाथ धाम में केवल 400 श्रद्धालुओं ने ही दर्शन किए जबकि मानसून से पहले रोजाना हजारों की संख्या में तीर्थयात्री आ रहे थे।

गोवा पुलिस ने अभिनेता गौरव बख्शी को मंत्री की कार रोकने के आरोप में गिरफ्तार किया

पणजी/भाषा। गोवा पुलिस ने बृहस्पतिवार को अभिनेता गौरव बख्शी को राज्य के पशुपालन मंत्री नीलकंठ हलर्नकर की कार रोककर उनकी आवाजाही में बाधा डालने के आरोप में गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वेब सीरीज और कुछ फिल्मों में अभिनय कर चुके बख्शी ने भी इस मामले को लेकर एक शिकायत दर्ज करवायी जिसमें दावा किया कि मंत्री की कार ने उनका रास्ता रोका था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हलर्नकर के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) द्वारा उत्तरी गोवा जिले के कोलवले पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद अभिनेता को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया कि उन पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि यह घटना उस समय हुई जब वह बुधवार को उत्तरी गोवा जिले के रेवोरा पंचायत कार्यालय में एक समारोह में भाग लेने के बाद अपनी कार से जा रहे थे। मंत्री ने आरोप लगाया कि आरोपी की कार ने उनका रास्ता रोक लिया और जब बख्शी से गाड़ी हटाने को कहा गया तो अभिनेता ने उनके पीएसओ को धमकी दी। बख्शी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि उन्होंने पंचायत कार्यालय में हुई घटना को लेकर स्थानीय पुलिस थाने में मंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

महंगाई के चलते नीतिगत दर रुख में बदलाव के सवाल का अभी कोई मतलब नहीं : दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुद्रास्फीति की मौजूदा दर और उसे चार प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य के बीच अंतर को देखते हुए नीतिगत दर पर रुख में बदलाव के सवाल का अभी कोई मतलब नहीं है।

दास ने समाचार चैनल सीएनबीसी-टीवी18 से विशेष बातचीत में कहा, ''मुद्रास्फीति की मौजूदा दर और इसे चार प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य के बीच अंतर को देखते हुए नीतिगत दर के मामले में रुख में बदलाव के सवाल का फिलहाल कोई मतलब नहीं है।...जब हम टिकाऊ आधार पर खुदरा महंगाई चार प्रतिशत पर लाने की दिशा में बढ़ेंगे तभी हमें रुख में बदलाव के बारे में सोचने का भरोसा मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप लाने का काम उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ रहा है, लेकिन चार प्रतिशत का लक्ष्य अंतिम पड़ाव है, जो आसान नहीं है।

आरबीआई ने जून में पेश द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में खुदरा मुद्रास्फीति 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। केंद्रीय बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। मौद्रिक नीति निर्धारित करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर किया जाता है।

दास ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के संबंध में कहा कि वृद्धि को गति देने वाले कई तत्व अपनी भूमिका निभा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में आर्थिक वृद्धि की गति बहुत मजबूत थी और यह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी मजबूत बनी हुई है। आरबीआई ने बढ़ती निजी खपत और ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में पुनरुद्धार को देखते हुए जून की मौद्रिक नीति समीक्षा में चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है।

शिवराज सिंह चौहान ने कृषि के विकास के लिए बिहार के किसानों को पूरे समर्थन का भरोसा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को बिहार के कृषि मंत्री मंगल पांडे को राज्य के किसानों को अटूट समर्थन देने का भरोसा दिलाया। इसके साथ ही उन्होंने कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य के बीच तालमेलपूर्ण प्रयासों की वकालत की।

नई दिल्ली के कृषि भवन में आयोजित बैठक में चौहान ने बिहार की कृषि पहल को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

(आरकेवीवाई) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत धन आवंटन का पुनर्मूल्यांकन करने की प्रतिबद्धता जताई। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि उन्होंने इन प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए नए प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आग्रह किया।

विचार-विमर्श के दौरान चौहान ने खरीफ और रबी के बीजों की निर्बाध आपूर्ति पर जोर दिया, और उन्नत योजना की आवश्यकता को रेखांकित किया। बातचीत में कृषि मंत्रालय द्वारा योजनाओं और पहल की व्यापक समीक्षा भी शामिल थी। चौहान ने आश्वासन दिया कि बिहार के किसानों को राष्ट्रीय स्तर पर पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य के बीच तालमेलपूर्ण प्रयासों की वकालत की। बैठक में चौहान ने कहा, ''बिहार के किसानों को केंद्रीय स्तर पर किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करने दिया जाएगा।'' बिहार के कृषि मंत्री ने राज्यभर में कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को मजबूत करने की अनिवार्यता पर जोर दिया। चौहान ने उनकी परिचालन क्षमता का मूल्यांकन करने की प्रतिबद्धता जताई।

मक्का और मखाना उत्पादन में बिहार की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए पांडे ने इन अवसरों को अधिकतम करने के लिए केंद्र से सहायता मांगी। बैठक में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर और केंद्रीय और राज्य कृषि और बागवानी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। हाल ही में केंद्रीय मंत्री ने असम, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कृषि मंत्रियों से मुलाकात की थी।

महिला नक्सली समेत चार नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में एक महिला नक्सली समेत चार नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चार नक्सलियों दिरदो हिड़मा (39), महिला नक्सली सोड़ी सोमे (30), पोड़ियाम हुंगा (25) और मुचाकी देवा (55) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि नक्सली दिरदो हिड़मा पर एक लाख रुपये का इनाम है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की 'नियद नेल्ला नार' (आपका अच्छा गांव) योजना से प्रभावित होकर तथा बाहरी नक्सलियों द्वारा भेदभाव से तंग आकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ पुलिस दल पर हमला, मार्गों को काटना और नक्सली पर्चे लगाने जैसे कार्यों में शामिल होने का आरोप है।

अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि और अन्य सुविधायें प्रदान की जाएगी।

सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान जा रही प्रतिबंधित रसायनों की चीनी खेप तमिलनाडु के बंदरगाह पर जब्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सुरक्षा एजेंसियों ने तमिलनाडु के एक बंदरगाह पर अंतरराष्ट्रीय रूप से प्रतिबंधित रसायनों की चीन से आई एक खेप जब्त की है जो माना जा रहा है कि पाकिस्तान के जैविक और रासायनिक युद्ध कार्यक्रम के लिए थी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह खेप ऑर्थो-क्लोरो बेंजिलिडीन मैलोनोनाइट्राइल या सीएस की थी जिसका इस्तेमाल आंसू गैस और दंगा नियंत्रण एजेंट के रूप में किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि सीमाशुल्क विभाग के अधिकारियों ने तमिलनाडु के कट्टूपल्ली बंदरगाह पर इस खेप को रोका था।

सीएस अंतरराष्ट्रीय समझौतों और भारत की निर्यात नियंत्रण सूची के तहत दोहरे उपयोग वाला रसायन है। दंगा नियंत्रण एजेंटों के रूप में इसका असैन्य उपयोग होता है, लेकिन जब्त की गई इतनी बड़ी मात्रा इसके संभावित सैन्य उपयोग की आशंका के बारे में चिंता पैदा करती है। चीनी कंपनी चेंग्दू शिचेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड की ओर से 2,560 किलोग्राम वजनी खेप पाकिस्तान में रावलपिंडी स्थित रक्षा आपूर्तिकर्ता रोहेल एंटरप्राइजेज के लिए भेजी गई थी।

अधिकारियों ने कहा कि 25 किलोग्राम के 103 ड्रमों में रखी गयी यह सामग्री 18 अप्रैल, 2024 को चीन के शंघाई बंदरगाह पर मालवाहक जहाज ह्युडई शंघाई (साइप्रस के ध्वज के साथ संचालित) में लादी गयी थी। कराची की ओर जा रहा जहाज आठ मई, 2024 को कट्टूपल्ली बंदरगाह पहुंचा। अधिकारियों ने कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने नियमित जांच के दौरान खेप को रोक लिया क्योंकि रसायन का नाम भारत की निर्यात नियंत्रण सूची 'स्कोमेट' (विशेष रसायनों, जीवों, सामग्रियों, उपकरण और प्रौद्योगिकियों) के तहत एक नियंत्रित पदार्थ के रूप में शामिल था। अधिकारियों ने कहा कि रसायन की और अधिक जांच करने के बाद, यह पाया गया कि यह खेप 'वासेनार व्यवस्था' के तहत सूचीबद्ध एक पदार्थ की है। भारत ने 'वासेनार व्यवस्था' पर दस्तखत किए हैं।

इस खेप को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 और सामूहिक विनाश के हथियार और वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों का निषेध) अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया। पाकिस्तान और चीन 'वासेनार व्यवस्था' में पक्ष नहीं हैं। जुलाई 1996 में स्थापित 'वासेनार व्यवस्था' एक स्वैच्छिक निर्यात नियंत्रण व्यवस्था है। समूह में 42 सदस्य हैं। इसके सदस्य पारंपरिक हथियारों के हस्तांतरण और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों पर जानकारी साझा करते हैं। अधिकारियों के अनुसार इतनी बड़ी मात्रा में रसायन की खेप ने इसके संभावित सैन्य उपयोग को लेकर चिंता पैदा कर दी। पाकिस्तान में जारी आंतरिक संघर्षों के मद्देनजर भी यह चिंता पैदा करने वाली बात है जहां सुरक्षा बल बलूचिस्तान तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आंदोलनों को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। खेप को इन खबरों के बीच जब्त किया गया है कि चीन पाकिस्तान को दोहरे इस्तेमाल वाली अन्य सामग्री भेज रहा है।

यह पाकिस्तान की सैन्य प्रगति में सहायता करने में चीन की मिलीभगत को भी रेखांकित करता है। पिछली घटनाएं भी दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं और नियंत्रित पदार्थों की आपूर्ति के पैटर्न की ओर इशारा करती हैं। गत मार्च में भी सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान के रक्षा उद्योग के लिए भेजी जा रही अत्यधिक सटीकता वाली 'कम्प्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल' (सीएनसी) मशीनरी जब्त की थी। अप्रैल में अमेरिका ने चीन की तीन कंपनियों पर पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए कलपुर्जों की आपूर्ति करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। अधिकारियों ने कहा कि इस साल की शुरुआत में सीएनसी मशीनरी जब्त करने से पता चला कि अंतरराष्ट्रीय नियमों का घोर उल्लंघन हुआ है।

अधिकारियों ने कहा कि चीन और पाकिस्तान के बीच संवेदनशील उपकरणों के हस्तांतरण के लिए जमीनी मार्गों के उपयोग की आशंका इस गैरकानूनी साझेदारी में जटिलता का एक और स्तर जोड़ती है। अधिकारियों ने कहा कि चीन द्वारा समर्थित पाकिस्तान की गुप्त गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए सीधा खतरा पैदा करती हैं और उन्होंने ऐसे प्रसार प्रयासों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

भाजपा ने तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव की हार से सबक नहीं सीखा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मपुरी। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु में बार-बार चुनावी तौर पर शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है और उस पर राज्य में प्रमुख परियोजनाओं के लिए धनराशि मंजूर नहीं करने का आरोप लगाया।

स्टालिन ने यहां ग्रामीण क्षेत्रों में 'मक्कलुदन मुधलवार' (लोगों के साथ मुख्यमंत्री) योजना का विस्तार करते हुए कहा कि इसके माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि किसी को कोई शिकायत न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के लिए इस तरह के समर्पित कार्य विपक्षी दलों के लिए ईर्ष्या पैदा कर रहे हैं और इसीलिए वे 'दुष्प्रचार' के माध्यम से राज्य सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के लिए है, चाहे उन्होंने द्रमुक को वोट दिया हो या नहीं, दूसरों में ऐसी उदारता नहीं देखी जा सकती। स्टालिन ने कहा, केंद्र सरकार (भाजपा) ने (2024 के लोकसभा चुनाव में) अपनी चुनावी हार और (राज्य में पिछले चुनावों में) लगातार हार से सबक नहीं सीखा है।

केंद्र सरकार के पास चेन्नई में मेट्रो रेल चरण-दो जैसी तमिलनाडु की प्रमुख परियोजनाओं के लिए धन आवंटित करने का दिल नहीं है और उसने अपने शासन के पिछले 10 वर्षों के दौरान राज्य में कोई भी बड़ी परियोजना लागू नहीं की है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के लोगों की ओर से मैं कहता हूं कि उन्हें (केंद्र की भाजपा सरकार को) कम से कम अब यह समझ लेना होगा कि केंद्र सरकार में सभी लोगों के लिए समान शासन व्यवस्था होनी चाहिए और उन्हें अपनी पसंद या नापसंद से ऊपर उठना चाहिए। स्टालिन ने कहा कि जहां तक द्रमुक का सवाल है, हम लोगों के साथ हैं और लोग हमारे साथ हैं; यही हमारी सफलता का राज़ है और यही तमिलनाडु के विकास का राज़ है। मुख्यमंत्री ने 444.77 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पूरी हुई 621 परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

यूडीएफ ने विद्यार्थियों के विदेश जाने को बताया एक खतरनाक चलन, सरकार ने सामान्य करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में कहा कि राज्य छोड़कर विदेश जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि एक खतरनाक चलन है और अगर इसे रोका नहीं गया तो आने वाले दिनों में इस दक्षिणी राज्य में बुजुर्गों की संख्या बढ़ती चली जाएगी। वाम सरकार ने हालांकि इस टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा कि यह एक आम धारणा है, जो सिर्फ केरल तक ही सीमित नहीं है।

यूडीएफ ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करने की मांग करते हुए यह मुद्दा उठाया। विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को स्थगित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। राज्य सरकार ने सदन में कहा कि विद्यार्थियों का विदेश जाना एक सामान्य प्रवृत्ति और वैश्वीकरण का परिणाम है। कार्यवाही को स्थगित करने के प्रस्ताव को अनुमति नहीं मिलने के बाद विपक्ष ने यह आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया कि सरकार व राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री चर्चा के पक्ष में नहीं हैं और विद्यार्थियों के राज्य छोड़ने से होने वाले खतरे को स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

राज्य उच्च शिक्षा मंत्री आर. बिंदु ने दावा किया कि वैश्वीकरण के बाद विद्यार्थियों का राज्य को छोड़कर चले जाना एक सामान्य प्रवृत्ति बन गया है और यह चीज सिर्फ केरल तक ही सीमित नहीं है। बिंदु ने कहा, केरल उन राज्यों में से एक है, जहां बाहर जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या सबसे कम है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इसलिए विदेशों का रुख करते हैं क्योंकि वह वहां पढ़ाई करते हुए काम कर सकते हैं और इसका एक कारण यह भी है कि कम जनसंख्या वाले देशों में वीजा मानदंडों में ढील दी गई है।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हल करने के लिए राज्य सरकार ने पढ़ाई करते हुए कमाई की कई योजनाएं शुरू की हैं।

मुडा 'घोटाला' मामले में मुझे अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा भूखंड आवंटित करने में कथित फर्जीवाड़े के मामले में उन्हें अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का आरोप है कि मुडा ने उन लोगों को मुआवजे के तौर पर भूखंड वितरित करने में अनियमितता बरती जिनकी जमीन का ''अधिग्रहण'' किया गया है। मुआवजे के तौर पर भूखंड प्राप्त करने वालों में सिद्दरामैया की पत्नी पार्वती भी शामिल हैं।

सिद्दरामैया ने दावा किया कि उनके खिलाफ यह साजिश इसलिए रची जा रही है क्योंकि वह पिछड़े वर्ग से आते हैं और दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं।

उन्होंने कहा कि वह ऐसी साजिशों से नहीं डरेंगे। मुख्यमंत्री भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र द्वारा कथित ''घोटाले'' के सिलसिले में सिद्दरामैया के गृह जिले मैसुरु में 12 जुलाई को व्यापक स्तर पर प्रदर्शन करने की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे।

सिद्दरामैया ने यहां पत्रकारों से कहा, ''क्या हमने इसकी (मुडा घोटाले की) जांच नहीं कराई है.....भाजपा राजनीति के लिए काम कर रही है, अगर वे राजनीति करेंगे तो हमें भी राजनीति करनी पड़ेगी। उन्हें किसी के नेतृत्व में ऐसा करने दें, उन्हें जे पी नड्डा (भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष) के नेतृत्व में ऐसा करने दें। यदि वे ऐसा करते हैं, तो हम भी इस मामले को राजनीतिक रूप से लेंगे। क्या केवल वे ही राजनीति कर सकते हैं? हम यह भी जानते हैं कि इसका राजनीतिक रूप से मुकाबला कैसे किया जाए।'' अपनी पत्नी को आवंटित भूखंड को लेकर भाजपा द्वारा उन पर निशाना साधने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्हें बताना होगा कि ये कहां अवैध है। हम कह रहे हैं कि सब वैध है। उन्हें यह दिखाने दीजिए कि यह अवैध है।''

उन्होंने कहा, ''राजनीति के लिए बेवजह मुझे निशाना बनाया जा रहा है। वे राजनीति के लिए ऐसा कर रहे हैं क्योंकि उन्हें मेरे खिलाफ कुछ नहीं मिला। इसलिए षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। क्या मैं ऐसी साजिशों से डर जाऊंगा।'' उन्होंने सवाल किया, ''अगर भाजपा के सत्ता में रहने के दौरान मुडा ने गलत काम किया तो सिद्दरामैया इसके लिए कैसे जिम्मेदार हो सकते हैं?'' कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा उनके खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में अपनी पत्नी पार्वती के नाम पर तीन एकड़ और 16 गुंठा जमीन का खुलासा नहीं किया है, सिद्धारमैया ने कहा, ''अगर निर्वाचन आयोग नोटिस देता है, तो मैं उसका जवाब दूंगा। कानून के अनुसार जवाब दूंगा।''

केंद्रीय मंत्री करंदलाजे ने गृह मंत्री से वाल्मीकि सहकारी घोटाले की जांच शुरू करने का आग्रह किया

बेंगलूरु। केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध किया है कि वह केंद्रीय एजेंसियों को राज्य के स्वामित्व वाले कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम से कोष के अवैध हस्तांतरण की विस्तृत जांच का निर्देश दें। करंदलाजे ने निगम के लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन पी. की आत्महत्या का भी उल्लेख किया, जिसके बाद यह घोटाला सामने आया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, चंद्रशेखरन ने अपने सुसाइड नोट में आरोप लगाया है कि निगम की 187 करोड़ रुपए की राशि अवैध रूप से हस्तांतरित की गई। इसमें 88.62 करोड़ रुपए कुछ आईटी कंपनियों और हैदराबाद स्थित एक सहकारी बैंक के विभिन्न खातों में स्थानांतरित किए गए।

कर्नाटक की बैंगलोर उत्तर लोकसभा सीट से सांसद करंदलाजे ने कहा कि हो सकता है कि चंद्रशेखरन ने घोटाले के संबंध में डाले जा रहे अत्यधिक दबाव और मिल रहीं संभावित धमकियों के चलते आत्महत्या की हो। उन्होंने शाह को लिखे पत्र में कहा, श्री चंद्रशेखरन का जाना एक गहरा सदमा है और उनकी असामयिक मृत्यु के कारणों की तत्काल पारदर्शी व गहन जांच की आवश्यकता है। उन्होंने शाह से अनुरोध किया कि वाल्मीकि विकास निगम घोटाले की संबंधित अधिकारियों से व्यापक जांच कराई जाए, ताकि इसमें शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं को जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले विधायक को कर्नाटक पुलिस ने भेजा नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को दक्षिण कन्नड़ जिले से भाजपा विधायक वाई भरत शेट्टी को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। शेट्टी ने सोमवार को कांग्रेस सांसद पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके कथित हिंदू विरोधी बयान के लिए संसद के अंदर बंद कर थप्पड़ मारना चाहिए।

कावूर पुलिस ने शेट्टी को नोटिस जारी करते हुए तीन दिनों के भीतर पेश होने को कहा है। पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351 (3) (आपराधिक धमकी, अपमान), 353 (सार्वजनिक शरारत के लिए बयानबाजी) के तहत मामला दर्ज किया है। इस संबंध में कांग्रेस नेता अनिल कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। शेट्टी ने कहा, विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद के अंदर बंद कर थप्पड़ मारना चाहिए। ऐसा करने से सात से आठ एफआईआर दर्ज हो जाएंगी। अगर विपक्ष के नेता राहुल गांधी मैंगलोर शहर आते हैं तो हम उनके लिए भी यही व्यवस्था करेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी भगवान शिव की तस्वीर पकड़े हुए थे। उन्होंने कहा था, पागल को नहीं पता कि अगर भगवान शिव ने अपनी तीसरी आंख खोली तो वह (एलओपी) भस्म हो जाएंगे। उन्होंने हिंदू विरोधी नीति अपनाई है। यह स्पष्ट है कि एलओपी राहुल गांधी एक पागल है। उन्हें लगता है कि वह हिंदुओं के बारे में जो कुछ भी कहेंगे, हिंदू चुपचाप सुन लेंगे। शेट्टी ने दावा किया कि हिंदू धर्म और संस्थाओं की रक्षा करना भाजपा का कर्तव्य है। कांग्रेस ने यह संदेश देना शुरू कर दिया है कि हिंदू और हिंदुत्व अलग-अलग है। ऐसे नेताओं की वजह से भविष्य में हिंदुओं को खतरा होगा। उन्होंने कहा, शिवाजी और महाराणा प्रताप हिंदू समुदाय में पैदा हुए थे। जब भी जरूरत होगी, हम हथियार निकाल लेंगे। हम हथियारों की पूजा करने के बाद क्या करना है, अच्छी तरह से जानते हैं।

क्या राहुल अपने पिता का समर्थन करेंगे या सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान ? : कर्नाटक भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । कर्नाटक भाजपा ने गुरुवार को पूछा कि क्या राहुल गांधी अपने पिता दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी के रुख का समर्थन करेंगे या मुस्लिम महिला भरण-पोषण मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करेंगे?

भाजपा की राज्य महिला मोर्चा की अध्यक्ष सी. मंजुला ने कहा, हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का तहे दिल से स्वागत करते हैं। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी का क्या? क्या वह अपने पिता के रुख का समर्थन करेंगे या सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करेंगे? सी. मंजुला ने

कहा कि 1985 में जब कांग्रेस बहुमत में थी तो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा मुस्लिम महिलाओं को दिए गए न्याय और सम्मान की अवहेलना की थी। उन्होंने कहा, आज कांग्रेस सत्ता में नहीं है। ट्रिपल तलाक को खत्म करने वाली भाजपा सरकार फिर से इन महिलाओं के पक्ष में खड़ी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाएं अब ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं। सी. मंजुला ने आगे कहा कि 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने सीआरपीसी 125 के तहत फैसला सुनाया था कि अपने पतियों से तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भरण-पोषण पाने की हकदार हैं। हालांकि, दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने संसद में इसका विरोध किया था, मुस्लिम पर्सनल लॉ का समर्थन किया और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदल दिया था।

उन्होंने कहा कि ऐसा करके उन्होंने संविधान के सिद्धांतों की अवहेलना की। कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट के महिला-समर्थक रुख के खिलाफ खड़ी है।

स्वास्थ्य विभाग के केंद्रों में डेंगू मरीजों की मुफ्त जांच होगी

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने कहा है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में डेंगू बुखार के मरीजों की जांच होगी और उनका मुफ्त उपचार किया जाएगा। विभाग ने एक परिपत्र में राज्य स्तर पर 'डेंगू वार रूम' की स्थापना की घोषणा की। उसने इसी परिपत्र में जिला प्रशासनों से जिला स्तर पर 'डेंगू वार रूम', जिला स्तरीय कार्यबल के गठन, अधिक संक्रमण वाले क्षेत्रों की पहचान, ज्वर क्लीनिक को सक्रिय करने, मच्छर भगाने वाले तरल पदार्थों का वितरण करने जैसे कई दिशानिर्देश दिये और उनका कड़ाई से पालन करने का आदेश दिया।

परिपत्र में कहा गया है, वर्तमान मानसून में राज्य में मौजूदा डेंगू स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह बिल्कुल जरूरी है कि उपचार एवं प्रबंधन के सिलसिले में अपनाये जाने वाले उपाय परिणामोन्मुख हों । इस संबंध में दिशानिर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करने के भी निर्देश जारी किये गये हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े के अनुसार कर्नाटक में इस साल जनवरी से इस बुधवार तक डेंगू के 7,840 मामले सामने आये हैं जिनमें से सबसे अधिक 2292 मामले बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) क्षेत्र के हैं। राज्य में बुधवार को डेंगू के 293 मामले सामने आये जिनमें 118 बीबीएमपी क्षेत्र के हैं। परिपत्र में कहा गया है, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के तहत आने वाले सभी स्वास्थ्य केंद्रों में डेंगू बुखार के सभी मरीजों (चाहे वे बीपीएल में हो या एपीएल में) की सभी जांच एवं उपचार (यदि जरूरी हो तो आईसीयू भी) मुफ्त की जाएगी।

वाल्मीकि निगम घोटालेबाजों ने अधिकारियों को मोहपाश में फंसाकर पैसे की हेराफेरी की : भाजपा नेता

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी श्रीरामुलु ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के घोटालेबाजों ने धन की हेराफेरी करने के लिए सरकारी और बैंक अधिकारियों को मोहपाश में फंसाया है। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि आदिवासियों के कल्याण के पैसे से महंगी लग्जरी गाड़ियां खरीदी गई हैं। उन्होंने दावा किया कि धन का शोधन करके इसका इस्तेमाल लोकसभा समेत अन्य चुनावों में किया गया।

श्रीरामुलु ने प्रेस वार्ता में दावा किया, घोटालेबाजों ने वाल्मीकि निगम के पैसों से एक लेम्बोर्गिनी कार खरीदी, हवाला के जरिए पैसे को इधर-उधर कर चुनावों में खर्च किया । पूर्व मंत्री नरसिम्हा नायक (राजू गौड़ा) ने आरोप लगाया कि घोटाले में राज्य सरकार ने संदिग्ध भूमिका निभाई। नायक ने बताया, हम

सब जानते हैं कि वित्त सचिव की मंजूरी के बिना तीन करोड़ रुपये से ज्यादा धन स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है, लेकिन एक ही दिन में 50 करोड़ रुपये स्थानांतरित कर दिए गए। आश्चर्य की बात है कि सरकार में किसी को भी इसकी जानकारी नहीं थी। भाजपा नेता के अनुसार, यह पैसा 16 व्यापारियों के खातों में स्थानांतरित किया गया। स्थानांतरित की गई रकम 4.12 करोड़ से 5.98 करोड़ रुपये के बीच थी। दोनों भाजपा नेताओं ने कांग्रेस विधायक बी. नागेन्द्र की गिरफ्तारी की मांग की। नागेंद्र ने घोटाला सामने आने के बाद जनजाति कल्याण मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

56 ठिकानों पर लोकायुक्त टीम की रेड

कलबुर्गी। कर्नाटक में गुरुवार सुबह लोकायुक्त की टीम ने कई अधिकारियों और इंजीनियरों के ठिकानों पर छापेमारी की। ये कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति मामले में लोकायुक्त टीम कर रही है। कर्नाटक लोकायुक्त की छापेमारी कर्नाटक के 9 जिलों में चल रही है, जिसमें आय से अधिक संपत्ति के 11 मामले शामिल हैं। ये कार्रवाई कर्नाटक के कुल 56 स्थानों पर चल रही है। रेड में करीब 100 अधिकारियों के शामिल होने की खबर है। जानकारी के अनुसार, लोकायुक्त के अधिकारियों ने बीबीएमपी के केंगेरी डिवीजन में तैनात राजस्व अधिकारी बसवराज मागी के कलबुर्गी और बेंगलूरु स्थित घरों पर गुरुवार सुबह छापा मारा। इसके अलावा कलबुर्गी शहर में स्थित वीरेंद्र पाटिल बरंगाय के घर पर रेड मारी गई है। सूत्रों के अनुसार, आय से अधिक संपत्ति के मामले को लेकर लोकायुक्त अधिकारियों की सुबह से छापेमारी जारी है। लोकायुक्त अधिकारियों द्वारा संपत्ति हस्तांतरण से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है।

भजनलाल का ऐतिहासिक बजट के लिए युवाओं ने जताया आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का युवाओं ने राज्य के परिवर्तित बजट 2024-25 में उनके लिए की गई ऐतिहासिक घोषणाओं पर आभार जताया है। गुरुवार को बड़ी संख्या में युवाओं ने मुख्यमंत्री आवास पहुंच कर इसके लिए शर्मा का आभार प्रकट किया। आभार सभा में शर्मा ने कहा कि युवा देश के स्वर्णिम भविष्य का आधार हैं। युवाओं की ऊर्जा तथा उत्साह से राजस्थान प्रगति की एक नई इबारत लिखेगा। हमारी सरकार युवाओं के सपनों तथा उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रति पल तथा प्रति क्षण काम कर रही है।

शर्मा ने कहा कि इस बजट में युवाओं के लिए इस वर्ष में एक लाख नौकरियां की घोषणा की गई है। राज्य सरकार सार्वजनिक, निजी तथा व्यावसायिक सहित सभी क्षेत्रों में युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है उस प्रतिभा को सामने लाने की।

सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, संभाग स्तर पर स्पोर्ट्स कॉलेज तथा 'खेलो राजस्थान यूथ गेम्स' जैसी घोषणाओं के माध्यम से ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को सामने लाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय युवाओं के सपनों पर कुठाराघात किया गया था और पेपरलीक जैसे मामलों से युवाओं को बड़ा आघात पहुंचा था। उन्होंने कहा कि वे युवाओं का दर्द समझते हैं तथा इन प्रकरणों में कड़ी कार्रवाई करते हुए किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कर युवाओं को बड़ी संख्या में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए थे। इससे न केवल युवा बल्कि उनके परिवारजनों को भी सपना साकार हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शीघ्र ही राजस्थान इनवेस्टमेंट समिट का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश एवं विदेशों से बड़े-बडे उद्योगपति भाग लेंगे। समिट के माध्यम से प्रदेश में निवेश बढ़ेगा और रोजगार के नवीन अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि आगामी समय में हर क्षेत्र में युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर दिए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवाओं से मिलकर संवाद भी किया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

बच्चों को बेचने की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए कार्रवाई कर रही सरकार : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के आदिवासी इलाकों में गरीब दंपत्तियों द्वारा कथित तौर पर अपने बच्चों को बेचे जाने का मामला बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में उठा। सरकार ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए सदन को बताया कि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई की जा रही है लेकिन इसके लिए समाज को भी आगे आना होगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने विधानसभा में कहा कि माता-पिता द्वारा अपने ही बच्चों को बेचे जाने की घटनाएं बेहद दुखद है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सरकार अपने स्तर पर कार्रवाई कर रही है लेकिन इसके लिए समाज को भी आगे आना होगा। मंत्री ने कहा कि समाज के लोग जब मिलकर काम करेंगे तभी इस प्रकार की घटनाओं पर प्रभावी रूप से लगाम लगाई जा सकेगी। बूंदी से कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाया और जानना चाहा कि सरकार ने अब तक क्या कार्रवाई की? खींवसर ने प्रश्न के जवाब में बताया कि इस संबंध में फलासिया और बाघपुरा थाने में कुल सात मुकदमे दर्ज किये गये हैं, जिनमें से छह मामले वर्ष 2023 में और एक मामला 2024 में दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को 'अलर्ट' कर दिया है चिकित्सा मंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए काउंसलिंग किये जाने और गैर सरकारी संगठनों की भी आवश्यकता है।

महिला उत्पीड़न के मामलों को लेकर विधानसभा में हंगामा

■ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मंत्री सदन को गुमराह न करें क्योंकि अप्रैल 2024 में 2861 मामले दर्ज हुए जबकि मई में 4088 मामले दर्ज हुए। उन्होंने कहा, एक महीने में 43 प्रतिशत के आसपास की वृद्धि हुई है... आप छह प्रतिशत की कमी कहां से बता रहे हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में महिलाओं के उत्पीड़न के मामलों को लेकर बृहस्पतिवार को विधानसभा में काफी हंगामा हुआ। सरकार ने जहां कहा कि उसके छह महीने के कार्यकाल में महिला उत्पीड़न के मामलों में छह प्रतिशत की कमी आई है तो वहीं उनके जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने हंगामा व नारेबाजी की। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा के एक प्रश्न के जवाब में प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि राज्य में एक जनवरी 2024 से 30 जून 2024 तक महिला उत्पीड़न के 20767 प्रकरण दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि गत कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के छह महीनों से तुलना की जाए तो ऐसे मामलों में छह प्रतिशत की कम आयी है। मंत्री ने कहा,2022 से 2024 तक जनसंख्या तो बढ़ी है लेकिन ऐसे मामले इस दौरान छह प्रतिशत कम हुए हैं। महिला उत्पीड़न के मामलों में छह प्रतिशत कमी आई है। महिला उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा,7400 स्थान चिन्हित किए हैं जहां महिलाओं का आवागमन ज्यादा होता है और 20615 नए सीसीटीवी कैमरे के लिए ऑर्डर किए गए हैं। विपक्ष ने मंत्री द्वारा मामलों की तुलना को गलत बताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। विधायक इंदिरा ने डिंपल मीणा प्रकरण को भी उठाया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मंत्री सदन को गुमराह न करें क्योंकि अप्रैल 2024 में 2861 मामले दर्ज हुए जबकि मई में 4088 मामले दर्ज हुए। उन्होंने कहा, एक महीने में 43 प्रतिशत के आसपास की वृद्धि हुई है... आप छह प्रतिशत की कमी कहां से बता रहे हैं? मंत्री के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायक सीटों से उठकर नारेबाजी करने लगे और अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए। इसको लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष में काफी देर तक बहस होती रही। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अगला प्रश्न पुकार लिया।

उदयपुर ग्रामीण में मटुन माइन्स को फिर से शुरू करने का मामला न्यायालय में विचाराधीन : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र उदयपुर ग्रामीण में हिंदुस्तान जिंक की इकाई मटुन माइन्स को पुनः शुरू करने का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। खींवसर ने बताया कि प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का खान मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने सदन में प्रकरण की शीघ्र सुनवाई के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मटुन माइन्स में खनिज रॉक फॉस्फेट के स्वीकृत खनन पट्टे की अवधि 03 मई, 2020 को समाप्त हो जाने के कारण खनन कार्य बंद है। हिन्दुस्तान जिंक को 1970 में बीस साल के लिए लीज आवंटित की गई थी, जिसे दो बार दस-दस साल के लिए बढ़ाया गया था।

उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा 2015 में लागू खान एवं खनिज संशोधन अधिनियम-2015 के तहत केवल कैप्टिव माइनिंग होने पर ही लाइसेंस देने के प्रावधान के चलते लाइसेंस नवीनीकरण नहीं हुआ। खनन कार्य पुनः शुरू करने का मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है, जिसकी अंतिम बार सुनवाई अक्टूबर, 2023 में हुई थी।

इससे पहले विधायक फूल सिंह मीणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खींवसर ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र उदयपुर ग्रामीण में मैसर्स हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के पक्ष में निकट ग्राम मटून तहसील गिर्वा (वर्तमान में कुराबड़) में खनिज रॉक फॉस्फेट के स्वीकृत रहे खनन पट्टे की अवधि 03 मई, 2020 को समाप्त हो जाने के कारण खनन कार्य बंद है। इस संबंध में कम्पनी द्वारा केन्द्रीय खान मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत रिवीजन प्रार्थना पत्र वर्तमान में विचाराधीन है।

स्वर्णिम भविष्य का आधार युवा, उनकी आकांक्षाओं को पूरा करना हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि युवा देश के स्वर्णिम भविष्य का आधार हैं और राज्य सरकार युवाओं के सपनों व उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर क्षण काम कर रही है। शर्मा, मुख्यमंत्री निवास पर परिवर्तित बजट 2024-25 में हुई घोषणाओं के लिए युवाओं की आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए इस वर्ष में एक लाख नौकरियां की घोषणा की गई। राज्य सरकार सार्वजनिक, निजी तथा व्यावसायिक सहित सभी क्षेत्रों में युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस जरूरत है उस प्रतिभा को सामने लाने की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय युवाओं के सपनों पर गहरी चोट की गयी और प्रश्न पत्र लीक जैसे मामलों से युवाओं को बड़ा आघात पहुंचा।

उन्होंने कहा कि वे युवाओं का दर्द समझते हैं और इन प्रकरणों में कड़ी कार्रवाई करते हुए किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर युवाओं से संवाद भी किया।

विधानसभा में लगे मुर्दाबाद के नारे, विपक्ष ने मदन दिलावर से मांगा इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र में आदिवासियों के डीएन का मुद्दा छाया रहा। विपक्ष ने शिक्षामंत्री मदन दिलावर से माफी मांगने की माग की। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जब तक मदन दिवालर अपने बयान से माफी नहीं मांगते, तब तक विपक्ष उनका जवाब नहीं सुनेगा। इसके बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर मुर्दाबार के नारे लगे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मदन दिलावर पहले माफी मांगे, इसके बाद विपक्ष मंत्री का जवाब सुनेगा। बता दें भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत ने एक बयान दिया था। राजकुमार रोत बांसवाड़ा डूंगरपुर से सांसद हैं।

राजकुमार रोत ने कहा था कि मैं हिंदू नहीं हूं और आदिवासी का धर्म हिंदू नहीं है, इसके जवाब में मदन दिलावर ने कहा था कि देश को तोड़ने की गतिविधियां शुरू करेंगे तो बर्दाश्त नहीं करेंगे।आदिवासियों को अपने आपको हिंदू नहीं होने के सवाल पर मदन दिलावर ने कहा था कि यह तो पूर्वजों से पता चल जाएगा। वंशावली लिखने वालों से पूछ लेंगे, उनके डीएनए की भी जांच करवा लेंगे।

विधानसभा में प्रश्नकाल की कार्यवाही में विधायक मनीष यादव ने सवाल पूछा, क्या महिला और बाल विकास विभाग आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मासिक वेतन और सहायिकाओं का मानदेय बढ़ाने पर विचार कर रहा है? मंत्री मंजू वाघमार ने अपने जवाब में कहा कि मानदेय में 1 अप्रैल 2024 से 10 प्रतिशत का इज़ाफ़ा किया गया है।

जालोर : कॉलेज छात्रा की सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बना एडिटेड अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जालोर। जालौर जिले की कोतवाली थाना पुलिस की टीम ने कॉलेज में अध्यनरत एक छात्रा की सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर एडिटेड अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर मिलने के लिए दबाव बनाने के मामले में आरोपी जेसा राम चौधरी पुत्र लक्ष्मणा राम (22) निवासी रतनपुरा थाना गुड़ामालानी जिला बाड़मेर को कर्नाटक से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया है। एसपी ज्ञान चन्द्र यादव ने बताया कि 11 जनवरी को कॉलेज में अध्यनरत एक 19 वर्षीय युवती ने थाना कोतवाली में अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दी कि आरोपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उसके नाम की फर्जी आईडी बनाई। उसके फोटो को एडिट कर अश्लील फोटो बना उसे मैसेज कर अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर मिलने के लिए दबाव बना रहा है।

रिपोर्ट पर आईटी एक्ट स्त्री अशिष्ट रुपण (प्रतिशेध) अधिनियम एवं आईपीसी में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। अज्ञात आरोपी की तलाश एवं गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर लाल व सीओ गौतम जैन के सुपरविजन एवं एसएचओ जसवंत सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों से आरोपी के मोबाइल नंबर मिलने पर उसे ट्रेस आउट किया। आरोपी जेसा राम के कर्नाटक राज्य में होने से वहां एक पुलिस टीम भेज कर गिरफ्तारी के प्रयास किए गए। आरोपी को दस्तयाब कर बुधवार को पुलिस ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 को, अधीनस्थ न्यायालयों में 512 पीठ गठित

जयपुर। इस वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई को होगा जिसके लिए अधीनस्थ न्यायालयों में 512 पीठों का गठन किया गया है। 'रालसा' के एक पदाधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) के सदस्य सचिव हरि ओम अत्तरी ने बताया कि इस वर्ष की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई को राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर और जयपुर पीठ सहित प्रदेश के सभी अधीनस्थ न्यायालयों के साथ-साथ राजस्व न्यायालयों, उपभोक्ता मंचों और अन्य प्रशासनिक अधिकरणों में किया जाएगा।

अत्तरी ने कहा कि जन सामान्य द्वारा अपने प्रकरणों को समझाइश और राजीनामे के माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की सुनवाई के लिए अधीनस्थ न्यायालयों की कुल 512 पीठों का गठन किया गया है। ये पीठ प्रकरणों की ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से सुनवाई करेंगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने बताया कि इन पीठों में नौ जुलाई तक 5,72,905 वाद-पूर्व और 4,70,376 न्यायालयों में लंबित प्रकरण समेत कुल 10,43,278 प्रकरण सुनवाई के लिए संदर्भित किए जा चुके हैं। इसमें कहा गया कि इस तारीख के बाद भी पीठों को मामले संदर्भित किये गए हैं।

पत्नी की हत्या कर पति ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में भादरा थाना क्षेत्र के करणपुरा गांव में एक व्यक्ति ने पत्नी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली है। पुलिस के अनुसार यह घटना कल रात की है। इस संबंध में जहां पति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है, वहीं पति के भाई की ओर से दी गयी रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया है। मृतक दंपति के शव भादरा के सरकारी अस्पताल में सुरक्षित रखे गये हैं। पुलिस के अनुसार कल देर शाम को सूचना मिली कि करणपुरा में रघुवीर जाट (35) ने पत्नी राजबाला (32) की किसी तेज धार वाले हथियार से सिर पर वार करके हत्या कर दी। इसके बाद उसने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

घटना में राजबाला की मौके पर ही मृत्यु हो गयी, जबकि रघुवीर को भादरा के सरकारी अस्पताल में ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। राजबाला के भाई अनिल जाट (22) निवासी भरोखा थाना सदर सिरसा (हरियाणा) की रिपोर्ट के आधार पर रघुवीर के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

बंद व खनन कार्य पूरा हो चुकी खान क्षेत्रों में व्यापक प्लांटेशन कराएं : कलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निदेशक खान एवं भूविज्ञान भगवती प्रसाद कलाल ने माइनर मिनरल प्लॉट्स के डेलिनियेशन के लिए प्राथमिकता से खनिज क्षेत्र चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए प्रदेश की निरस्त माइंस, राज्य सरकार को सरेण्डर की गई माइंस, लीज अवधि समाप्त हो चुकी माइंस और अन्य खनिज क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर डेलिनियेशन के काम में तेजी लाई जाए।

खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों से बुधवार और गुरुवार को वीसी के माध्यम से रुबरु होते हुए कलाल ने कहा कि अवैध खनन प्रभावित क्षेत्रों और गेप एरिया में डेलिनियेशन के काम को प्राथमिकता दी जाए ताकि ऐसे खनिज क्षेत्रों के प्लॉट तैयार कर ऑक्शन किया जा सके।

निदेशक माइंस कलाल ने कहा कि राज्य सरकार अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम कर रही हैं और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जिनके पास खान विभाग भी है अवैध खनन गतिविधियों को लेकर गंभीर है। मुख्यसचिव सुधांश पंत व खान सचिव श्रीमती आनन्दी विभागीय अधिकारियों के साथ ही जिला कलक्टरों से समन्वय बनाते हुए अभियान चलाकर कार्रवाई व उसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

कलाल ने कहा कि विभाग की जियोलोजी विंग को प्रतिमाह माइनर मिनरल के ऑक्शन के लिए 1173 हैक्टेयर क्षेत्रफल के प्लॉट और मिनरलों की खोज के लिए प्रतिमाह 970 मीटर ड्रिलिंग के लक्ष्य दिए गए हैं। उन्होंने सभी 19 अधीक्षण भूविज्ञानी और वरिष्ट भूविज्ञानी कार्यालयों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि माइनिंग विंग व जियोलोजी विंग में परस्पर समन्वय सहयोग से ऑक्शन के लक्ष्यानुसार प्लॉट तैयार किये जाएं। बैठक में ई-फाइलिंग, ई-डाक, ई-फाइल निष्पादन की चर्चा करते हुए निस्तारण समय को न्यूनतम स्तर पर लाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। परिवेश पोर्टल में 31 जुलाई के पहले पहले फार्म 2 अपलोड करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री वृक्षारोपरण महाअभियान के तहत अरण्य भवन में पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान में जयपुर स्थित आरण्य भवन में गुरूवार को प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी व अन्य अधिकारियों ने पौधे लगाए। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) अरिजीत बनर्जी नें कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान में इस मानसून में 7 करोड पौधौ का वितरण एवं रोपण के साथसाथ 20 नगर वन एवं 33 लवकुश वाटिका सहित 80 हजार हेक्टेयर में पौधारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत निरन्तर पौधारोपण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वन विभाग की पौधशालाओं से एक जुलाई से अब तक लगभग 80 लाख पौधे वितरित किये जा चुकें है। बनर्जी ने कहा कि पौधे लगाने की पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र का विस्तार करना है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके और प्रदेश हराभरा हो सके। उन्होंने बताया कि हरियाली का सर्जन हर घर पौधारोपण के तहत प्रदेश नागरिक को एक पौधा मां के नाम लगाकर उसकी सुरक्षा करनी चाहिए ताकि हमारा प्रदेश हरियाला राजस्थान व समृद्व राजस्थान की संकल्पना साकार हो सके।

मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक पवन कुमार उपाध्याय , प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रशासन सुशिखा मेहरा एवं अरण्य भवन तथा जयपुर मुख्यालय स्थित अन्य उच्च अधिकारीगण, राजस्थान वन सेवा के अधिकारीगण एवं कार्यरत अन्य संवर्गों के अधिकारीगण एवं कार्मिकों ने भी पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लेकर पौधे लगाए । इस कार्यक्रम में वन विभाग के मुख्यालय स्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाने का संकल्प लिया,साथ ही पौधरोपण कर अपनी भागीदारी निभाई।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भूटान और बांग्लादेश के अपने समकक्षों के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश और भूटान के समकक्षों के साथ अलग-अलग भेंटवार्ता की और विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर ये भेंटवार्ताएं हुईं। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद के साथ अपनी भेंटवार्ता के बाद जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' आज शाम नई दिल्ली में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ हसन महमूद से मिलकर खुशी हुई। लगातार उच्च स्तरीय विनिमय भारत-बांग्लादेश मैत्री की ताकत को दर्शाता है। इसे और प्रगाढ़ करने के तौर-तरीकों पर चर्चा हुई।'' भूटान के विदेश मंत्री डी एन धुंग्येल के साथ अपनी बातचीत के बारे में जयशंकर ने कहा कि भारत और भूटान के बीच मित्रता एवं सद्भावना के अनूठे संबंधों को आगे ले जाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। उन्होंने लिखा, ''बिम्सटेक बैठक के अवसर पर भूटान के विदेश मंत्री डी एन धुंग्येल के साथ भेंटवार्ता कर प्रसन्नता हुई। मित्रता और सद्भावना के हमारे अनूठे संबंधों को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।'' विदेश मंत्री ने श्रीलंका के विदेश राज्य मंत्री थारका बालासूरिया के साथ भी बैठक की। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा, ''बिम्सटेक के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान श्रीलंका के विदेश राज्य मंत्री थारका बालासूरिया का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा हुई।'' भारत के अलावा बिम्सटेक में श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं।

राहुल गांधी रोजगार के मुद्दे पर युवाओं को कर रहे हैं गुमराह : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए पार्टी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर रोजगार और सरकारी नीतियों के मुद्दों पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

सत्तारूढ़ दल का यह आरोप ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने बुधवार को कहा था कि बेरोजगारी ने देश के युवाओं को पूरी तरह हतोत्साहित कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया था कि भाजपा की शिक्षा विरोधी मानसिकता के कारण युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है।

गांधी की यह टिप्पणी एक मीडिया रिपोर्ट पर आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि 2024 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) से स्नातक करने वाले छात्रों के प्लेसमेंट और वार्षिक पैकेज में गिरावट आई है।

भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले 10 वर्षों में लगभग 12.5 करोड़ नौकरियों का सृजन हुआ है और हाल में जारी आरबीआई की नवीनतम रिपोर्ट में दिखाया गया है कि 'अकेले 2023-24 में पांच करोड़ नौकरियों' का सृजन हुआ है। उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया में यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व के कारण भारत रोजगार सृजन में दुनिया का सबसे सफल देश है।'' उन्होंने कहा, ''हिंदुओं का अपमान करने वाले राहुल गांधी अब झूठ बोलने के नए धर्म का पालन करने लगे हैं। वह और अन्य विपक्षी नेता झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं।'' भाजपा नेता ने कहा कि गांधी और अन्य विपक्षी पार्टियों के नेता भले ही दावा कर रहे हों कि देश में बेरोजगारी है और रोजगार का सृजन नहीं हो रहा है लेकिन दुनिया ऐसा नहीं कहती। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे बहुपक्षीय और बड़े संस्थानों का कहना है कि भारत में मुद्रास्फीति नियंत्रण में है और रोजगार सृजन में देश शीर्ष पर है। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया था कि मोदी सरकार ने तुगलकी नोटबंदी, जल्दबाजी में लागू की गई जीएसटी और चीन से बढ़ते आयात के माध्यम से रोजगार पैदा करने वाले एमएसएमई को खत्म करके भारत में 'बेरोजगारी संकट' को और बढ़ा दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में वैश्विक बैंक सिटीग्रुप की एक नई रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यह आंकड़ा चिंताजनक है। इस्लाम ने पलटवार करते हुए कहा कि अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने 10 साल के कार्यकाल में महज 2.9 करोड़ नौकरियों का सृजन किया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सरकारी बंगला खाली किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हाल में लोकसभा चुनाव हार गयीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने दिल्ली के लुटियंस क्षेत्र में 28, तुगलक क्रीसेंट स्थित अपना सरकारी आवास खाली कर दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

ईरानी ने इस सप्ताह के शुरू में यह बंगला खाली किया। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में वह अमेठी संसदीय सीट पर कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा से डेढ़ लाख से अधिक मतों के अंतर से हार गयी थीं। उन्होंने 2019 के संसदीय चुनाव में इस सीट से जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हराया था तब उनकी काफी चर्चा हुई थी। वह केंद्र की पिछली राजग सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री थीं।

एक अधिकारी ने कहा, '' उन्होंने (ईरानी ने) इस सप्ताह के शुरू में अपना सरकारी आवास खाली कर दिया।'' उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्रियों एवं सांसदों को नई सरकार के गठन के एक महीने के अंदर सरकारी आवास खाली कर देना होता है।

शुभेंदु ने सीतारमण से मुलाकात कर राज्य में वित्तीय संकट खड़ा होने की आशंका जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर आशंका जताई कि पश्चिम बंगाल की जनता के लिए खर्च की जाने वाली विकास और कल्याण निधियों को आने वाले वित्तीय संकट से निपटने में इस्तेमाल किया जा सकता है। अधिकारी ने दिल्ली में सीतारमण से मुलाकात भी की। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्रीमती निर्मला सीतारमण जी से मुलाकात करके पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा विकास व कल्याण निधियों का जानबूझकर दुरुपयोग किए जाने की आशंका की ओर उनका ध्यान

आकर्षित करने की कोशिश की, जो राज्य में आने वाली वित्तीय मंदी को टालने का एक हताश प्रयास है। अधिकारी ने आगाह करते हुए कहा कि औद्योगीकरण के ह्रास के बाद, महामारी से पैदा हुए रोजगार संकट के बीच पश्चिम बंगाल वित्तीय पतन के कगार पर है।

असम सरकार एडीआर परीक्षा पैटर्न में बदलाव पर करेगी पुनर्विचार : शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों के वास्ते भर्ती परीक्षा के पैटर्न में बदलाव करने के अपने फैसले पर 'पुनर्विचार' करेगी। शर्मा ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, '' एक ऐसी सरकार जो सुनती है। एडीआरई परीक्षाओं के पैटर्न में आकस्मिक बदलाव तथा उसके फलस्वरूप अभ्यर्थियों के सामने आने वाली संभावित समस्या के बारे में विभिन्न पक्षों से मिले फीडबैक के आधार पर हमने इस मुद्दे का पुनर्विचार करने का फैसला किया है और हम शीघ्र ही अपने फैसले से सभी को वाकिफ करायेंगे।'' इस सप्ताह के प्रारंभ में राज्य सरकार ने तृतीय और चतुर्थ श्रेणियों में भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित करने तथा अगले साल अप्रैल तक विभिन्न विभागों में रिक्तियों को भरने की घोषणा की थी। शर्मा ने कहा था कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणियों के लिए भर्ती परीक्षाएं सितंबर से तीन चरणों-- प्रारंभिक, मुख्य एवं मौखिक परीक्षा में होंगी। उन्होंने कहा था कि तृतीय श्रेणी के 7,5000 पदों के लिए 15, 22 और 29 सितंबर को तथा चतुर्थ श्रेणी के 4,500 पदों के लिए 20 और 27 अक्टूबर को प्राथमिक परीक्षा होगी। हालांकि, इस घोषणा की आलोचना होने लगी और कई अभ्यर्थियों ने दावा किया कि इतने कम समय के नोटिस पर असम सीधी भर्ती परीक्षा पैटर्न में ऐसे बदलाव से उन्हें असुविधा होगी।

भाजपा और मीडिया का एक वर्ग पश्चिम बंगाल को बदनाम कर रहा है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल में उत्तर 24 परगना जिले के अरियादाह में हुई भीड़ के हमले की घटना को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा और मीडिया के एक वर्ग पर राज्य की छवि खराब करने का आरोप लगाया।

कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि दो साल पुरानी जिस घटना का वीडियो वायरल हुआ है, वह उस समय हुई थी जब अर्जुन सिंह बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद थे। उन्होंने टीवी चैनलों के एक वर्ग पर बुधवार के उपचुनाव से पहले भाजपा के इशारे पर वह पुराना वीडियो बार बार दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मीडिया का एक वर्ग और भाजपा बंगाल में मिली हार को पचा नहीं पा रही, इसलिए राज्य को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने जो कांड किया, वह बंगाल के मूल्यों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने 2021 की एक घटना के बारे में लगातार 72 घंटे तक एकतरफा खबर पेश की। टीएमसी प्रमुख ने

दावा किया कि कुछ टीवी चैनल सीबीआई-ईडी छापों के डर से भाजपा के पक्ष में पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ समाचार चैनल लोगों को गुमराह कर रहे हैं। वे भाजपा के मुखपत्र बन गए हैं। अगर मीडिया जांच करना चाहता है, तो राज्य सचिवालय में लोग हैं। वे वास्तविक स्थिति जानने के लिए पुलिस से जांच करा सकते हैं। यहां तक कि जब पुलिस कुछ जानकारी दे रही है, तो उसके बारे में भी नहीं बताया जा रहा। बनर्जी ने कहा, यह इतने लंबे समय तक नहीं चल सकता। मैं उनसे ऐसा न करने का अनुरोध कर रही हूं। अगर अनुरोध से काम नहीं चला तो मैं कानूनी कदम उठाऊंगी। अरियादाह में एक लड़की पर लोगों के एक समूह द्वारा हमला करने का पुराना वीडियो क्लिप सामने आने के बाद, पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया और स्थानीय टीएमसी नेता तथा मुख्य संदिग्ध जयंत सिंह समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

उत्तर प्रदेश : अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 10 पिस्तौल और छह कारतूस बरामद किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यमुनानगर के नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत डीपीएस के पास बृहस्पतिवार को तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त (यमुनानगर) श्रद्धा नरेन्द्र पांडेय ने यहां पुलिस लाइन में संवाददाताओं को बताया कि नैनी थाने के पुलिसकर्मियों और विशेष अभियान समूह (एसओजी) की टीम ने बृहस्पतिवार को अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार किए गए तस्करों के पास से 10 अवैध पिस्तौल, छह कारतूस और दो मोटरसाइकिलें बरामद कीं। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार युवकों की पहचान शिवम पांडेय, राम प्रसाद पांडेय और वशी मोहम्मद के रूप में हुई है और ये तीनों प्रयागराज के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि ये अभियुक्त मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से पिस्तौल खरीदकर ओडिशा, बिहार आदि राज्यों में बेचते थे और जो मुनाफा होता उससे ये अपने शौक पूरा किया करते थे।

ईडी ने कोलकाता में सहकारी समिति, सहारा समूह के खिलाफ छापेमारी की, 2.98 करोड़ रुपये जब्त

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निवेशकों के 24,000 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत कोलकाता की एक सहकारी समिति और सहारा समूह के खिलाफ छापेमारी कर लगभग तीन करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है। निदेशालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में 'हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड' के खिलाफ छापेमारी की गई। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि ये छापेमारी कब की गई। बयान में बताया गया कि छापेमारी के दौरान 'हमारा इंडिया' और 'सहारा समूह' के अन्य संस्थानों की लेखा पुस्तकें, डिजिटल उपकरण समेत कई ''आपत्तिजनक'' दस्तावेज जब्त किए गए तथा ''अपराध से अर्जित'' 2.98 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई। धन शोधन की जांच ओडिशा, बिहार और राजस्थान पुलिस द्वारा 'हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी', 'सहारा इंडिया समूह' की कंपनियों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर शुरू की गई। निदेशालय ने कहा, ''सहकारी समिति ने एक करोड़ से अधिक निवेशकों और जमाकर्ताओं से उच्च लाभ का वादा करके 24,000 करोड़ रुपये से अधिक एकत्र किए।'' ईडी ने कहा, ''इसके बाद, सहकारी समिति निर्धारित तिथि के बाद भी परिपक्वता राशि वापस करने में विफल रही।''

उत्तर प्रदेश के हाथरस में बस और ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत, 15 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाथरस/भाषा। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में बृहस्पतिवार को एक डबल डेकर स्लीपर बस ने सड़क किनारे खड़े एक ट्रक को टक्कर मार दी। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटना में बस में सवार तीन लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य लोग घायल हो गए।

जिलाधिकारी आशीष कुमार ने यहां बताया कि चंडीगढ़ से उन्नाव जा रही एक डबल डेकर बस सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के टोली गांव में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई।

सिकंदराराऊ थानाध्यक्ष अरविंद कुमार राठी ने बताया कि बस चालक 30 वर्षीय दलजीत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य यात्रियों आदेश यादव (25) और सौरभ (32) ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि हादसे में 15 अन्य लोग भी घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को घायलों का उचित उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जगन्नाथ भजन गाते हुए एमडीएम बेहोश होकर गिरे, मौत

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के गजपति जिले में सरकारी अधिकारियों के मिलन कार्यक्रम में जगन्नाथ भजन गाते हुए एक अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) मंच पर बेहोश हो गये और बाद में उनकी मृत्यु हो गयी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इन अधिकारी की पहचान गजपति जिले के एडीएम (राजस्व) बीरेंद्र कुमार दास के रूप में हुई है। यह घटना बुधवार शाम में घटी जिसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

गजपति के जिलाधिकारी स्मृति रंजन प्रधान ने कहा, '' एडीएम भजन गाते हुए अचानक बेहोश होकर गिर गये और उन्हें एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां पता चला कि उनका रक्तचाप बहुत अधिक है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बरहामपुर एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।'' प्रधान ने कहा कि वह कुशल प्रशासक थे और पूरा जिला प्रशासन उनके निधन पर शोकाकुल है। दास के रिश्तेदार चंद्रकांत ने कहा कि चुनाव पूरा हो जाने पर अधिकारियों का मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि जब वह (दास) मंच पर गये और भगवान जगन्नाथ का उड़िया भक्ति गीत गाने लगे तो अचानक बेहोश होकर गिर पड़े।

पेरिस ओलंपिक में अदिति से पदक जीतने की उम्मीद : कपिल देव

नई दिल्ली/भाषा। महान क्रिकेटर और पीजीटीआई के नये अध्यक्ष कपिल देव का मानना है कि भारत की शीर्ष गोल्फर अदिति अशोक की फॉर्म अगर दबाव भरे हालात में भी बरकरार रहे तो वह पेरिस ओलंपिक में पदक जीत सकती हैं।

अदिति ने तोक्यो ओलंपिक में अंत तक पदक की दौड़ में बनी रही थी लेकिन फिर पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहीं। तब वह कांस्य पदक विजेता लिडिया को से एक स्ट्रोक और स्वर्ण पदक विजेता नेली कोर्डा से दो स्ट्रोक पीछे रहीं।

कपिल ने 'पीटीआई वीडियोज' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मैं अदिति को उसी जोश के साथ खेलते देखना चाहता हूं, जैसा वह तोक्यो ओलंपिक में खेली थीं। '' उन्होंने कहा, ''क्रिकेटरों और गोल्फरों के लिए फॉर्म बहुत अहम है। अगर अदिति इसी फॉर्म में खेलती हैं तो उनके पास पदक जीतने का अच्छा मौका है। लेकिन अगर हफ्ते का प्रदर्शन खराब रहा तो उन्हें फिर मायूस होना पड़ेगा। ''

सचिन तेंदुलकर गेंदबाजी करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज' : जेम्स एंडरसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कुछ दिन में संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का कहना है कि उन्होंने अपने लंबे करियर के दौरान भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के खिलाफ गेंदबाजी का सबसे ज्यादा लुत्फ उठाया है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में इंग्लैंड के लिए अपना 188वां टेस्ट खेल रहे एंडरसन इस मैच के बाद संन्यास ले लेंगे।

एंडरसन ने भले ही तेंदुलकर को नौ मौकों पर आउट किया हो

लेकिन वह भारतीय मास्टर ब्लास्टर के खिलाफ कोई तय योजना नहीं बना सके थे।

जब तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन से पूछा गया कि गेंदबाजी के लिए सबसे मुश्किल बल्लेबाज कौन रहा तो उन्होंने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा, ''मुझे कहना ही होगा कि सचिन तेंदुलकर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। ''

टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी : साइना नेहवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल को लगता है कि अगर उन्होंने बैडमिंटन खेलने के बजाय टेनिस का रैकेट पकड़ा होता तो वह बतौर खिलाड़ी और बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती थीं।

बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर भी साइना ने काफी प्रभावित किया है जिसमें वह दुनिया में शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनीं और वह ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला एथलीट भी बनीं। राष्ट्रपति भवन में 'हर

स्टोरी - माई स्टोरी' बातचीत के दौरान साइना ने कहा, ''कभी कभार मुझे लगता है कि अगर मेरे माता पिता ने मुझे टेनिस में डाला होता तो अच्छा होता। '' उन्होंने कहा, ''इसमें ज्यादा पैसा है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा ताकतवर थी। मैं टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी। '' साइना ने कईयों को बैडमिंटन में आने के लिए प्रेरित किया है लेकिन जब उन्होंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था तो उनके लिए कोई आदर्श नहीं था।

साइना ने कहा, ''जब मैंने शुरूआत की थी तो मेरे लिए कोई आदर्श नहीं था। यह कहने के लिए कोई नहीं था, 'मैं दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं या ओलंपिक पदक विजेता बनना चाहती हूं'। मुझसे पहले मैंने किसी को बैडमिंटन में ऐसा करते नहीं देखा था। '' लंदन ओलंपिक के कांस्य के अलावा साइना ने विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीते तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा बच्चों को खेलों पर ध्यान लगाने के लिए कहती हूं। चीन 60-70 पदक जीतता है और हमें सिर्फ तीन चार पदक मिलते हैं। इतने सारे डॉक्टर और इंजीनियर होते हैं और उनके नाम अखबारों में नहीं आते। '' साइना ने कहा, ''मैं विशेषकर लड़कियों से आगे आने के लिए कहूंगी कि वे फिट होना शुरू करें और खेलों में आयें। अब हम बच्चों के लिए मौजूद हैं, उनके लिए प्रेरणा के लिए नंबर एक, ओलंपिक चैम्पियन और इतनी सारी पदक विजेता हैं। '' साइना ने कहा, मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है, मैं इतनी प्रतिभाशाली खिलाड़ी नहीं थी। मुझे काफी मेहनत करनी पड़ती थी। अगर कोई प्रतिभाशाली खिलाड़ी कोई चीज 100 बार करता था तो मुझे इसे 1000 दफा करना पड़ता था। लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है। मेरे कोचों को मेरा कभी हार नहीं मानने वाला जज्बा पसंद है। ''

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने क्रिकेटर गेंदबाज युजवेंद्र चहल को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को 'टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2024' जीतने पर सम्मानित किया। सैनी ने 'पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस' में चहल को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें पदक प्रदान किया और भगवान कृष्ण की एक प्रतिमा भेंट की। उन्होंने क्रिकेटर को हरियाणा का नाम रोशन करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्रिकेटर के पिता कृष्ण कुमार चहल ने भी मुख्यमंत्री से बात की और अपने बेटे की उपलब्धियों की कहानियां साझा कीं और कहा कि उन्हें इस बात पर बहुत गर्व है कि उनके बेटे को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। चहल की मां सुनीता कुमारी चहल ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि उनके बेटे को इतनी प्रशंसा मिल रही है। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने सैनी को बताया कि चहल शतरंज और क्रिकेट दोनों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने विश्व युवा

शतरंज चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया है। मुख्यमंत्री ने जल्द ही राज्य के पैरालंपिक और अन्य खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित करने की योजना की भी घोषणा की। हरियाणा खिलाड़ियों की भूमि है जो लगातार अंतरराष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं और दुनिया भर में देश का नाम रोशन करते हैं।

सुविचार

जिंदगी ने सवाल बदल डाले, वक़्त ने हालात बदल डाले, हम तो आज भी वही है जो कल थे, बस लोगों ने अपने जज्बात बदल डाले।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टेलीकॉमः विविधता को मजबूत रखें

निजी टेलीकॉम कंपनियों द्वारा अपनी सेवाओं के शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने के बाद आम ग्राहक की जेब पर काफी असर पड़ेगा। आज हर परिवार में दो से ज़्यादा मोबाइल फ़ोन होना आम बात है। अगर उन सबमें निजी कंपनियों के सिम कार्ड हैं तो साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि वाले ग्राहकों के लिए रिचार्ज करवाना मुश्किल होगा। पढ़ाई से लेकर ख़रीदारी और पानी, बिजली, गैस आदि के बिल जमा कराने तक, सब में इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा है। पिछले एक दशक से भी कम समय में भारत ने डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में जो कीर्तिमान रचे हैं, उनमें निजी टेलीकॉम कंपनियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि 21वीं सदी के आगाज के साथ भारत के टेलीकॉम बाजार में जो उछाल आया, उसका श्रेय बीएसएनएल को देना होगा। अपने 'अच्छे दिनों' में इसने सरकार के खजाने में बड़ा योगदान दिया, लेकिन उसके बाद बढ़ता घाटा एक बड़ी चुनौती बन गया। टेलीकॉम कंपनियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए, ताकि आम ग्राहकों को उनके बजट के अनुसार बेहतर सुविधाएं मिलें। जब हम पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की बात करते हैं तो उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे अर्थचक्र को टेलीकॉम कंपनियां भी ऊर्जा देंगी। बाजार में विविधता हो, ग्राहकों के पास अधिक विकल्प हों, उनके हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा हो, इसके लिए बहुत जरूरी है कि निजी टेलीकॉम कंपनियों के साथ ही बीएसएनएल का भी विस्तार हो। आज एक आम ग्राहक टेलीकॉम कंपनी से क्या चाहता है? यही कि सेवाओं का शुल्क उसके बजट में हो, इंटरनेट की रफ्तार अच्छी हो, जब कभी कोई समस्या आए तो उसका समय पर उचित समाधान हो।

अगर पिछले दो दशकों का अध्ययन करें तो पाएंगे कि यह अवधि टेलीकॉम बाज़ार के लिए कई उपलब्धियों के बावजूद उथल-पुथल भरी रही है। इस दौरान कोई शून्य से शिखर तक पहुंचा, तो कोई अर्श से फर्श पर आ गया। जहां कभी ग्राहकों की लंबी कतारें लगा करती थीं, वहां की रौनक गायब हो गई। यह रिकॉर्ड बताता है कि जरूरी नहीं कि जो कंपनी आज बुलंदियों पर है, वह आगे भी अपनी बढ़त और मुनाफा बरकरार रख पाए। ऐसे में समय के साथ तकनीकी बदलाव करते हुए सुधारों का रास्ता अपनाना अनिवार्य है। आज काफी लोग बीएसएनएल में सिम पोर्ट करवा रहे हैं तो उसे चाहिए कि वह अतीत के अनुभवों से सीखते हुए भविष्य की संभावनाओं के लिए खुद को तैयार करे। बीएसएनएल के पास इस क्षेत्र का समृद्ध अनुभव है, दूर-दराज के इलाकों में नेटवर्क है। अगर वह कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए सुधारों पर जोर दे तो कमाल कर सकता है। आज जिन लोगों के मन में बीएसएनएल को लेकर अचानक 'लगाव' पैदा हुआ है, उसके पीछे सबसे बड़ी वजह निजी कंपनियों द्वारा शुल्क में बढ़ोतरी करना है। अगर सोशल मीडिया पर पुरानी पोस्ट्स में बीएसएनएल के ग्राहकों की टिप्पणियां पढ़ेंगे तो उनमें ऐसी कई समस्याओं का जिक्र पाएंगे, जिनका अब तुरंत समाधान करना जरूरी है। ग्राहक के लिए शुल्क एक वजह हो सकती है, लेकिन उसके साथ नेटवर्क और संतुष्टि जैसे बिंदु भी बहुत मायने रखते हैं। अगर कोई ग्राहक मोबाइल फोन पर इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहा है तो उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी कि रफ्तार अच्छी हो। अगर बीच-बीच में व्यवधान आएगा तो एक समय बाद ग्राहक का मोहभंग हो जाएगा। बीएसएनएल को नए-नए ऑफ़र लाकर अपना विस्तार करना चाहिए। उसके साथ कार्यशैली में फुर्ती लानी चाहिए। आज का युवा बिल्कुल नहीं चाहेगा कि वह हाथ में प्रार्थनापत्र लेकर दफ्तरों के चक्कर लगाए। उस पर पढ़ाई का इतना दबाव है कि एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक दौड़ लगाने के लिए न तो समय है और न ही इतना धैर्य है! वह जल्द नतीजे चाहता है। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाना जरूरी है। सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि करनी होगी। बाज़ार में मजबूती से खड़े होने के लिए ग्राहक तक पहुंचने की पहल करते हुए उचित शुल्क के साथ मांग को पूरा करना होगा। बीएसएनएल के पास अनुभव खूब है, अब उत्साह के साथ नई उड़ान के लिए तैयारी करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज जनपद बलरामपुर में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के निरीक्षण के बाद वहां के राहत शिविर में आपदा से प्रभावित लोगों से संवाद किया। इस अवसर पर प्रभावितों को सहायता राशि के चेक और राहत सामग्रियां भी वितरित की गईं।

-योगी आदित्यनाथ

राजसमंद के चारभुजा थाना सर्किल में हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मृत्यु का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। प्रभु श्रीराम जी से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान की प्रार्थना करती हूँ।

-दीया कुमारी

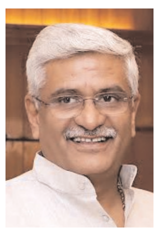

पर्यटन और संस्कृति के सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से राजस्थान सरकार का विजन शानदार है। नई पर्यटन नीति से रोज़गार-विकास की नई संभावनाएँ निर्मित होंगी। इस दिशा में पर्यटन विकास बोर्ड और राजस्थान हेरिटेज कंवर्जेशन बोर्ड क्रांतिकारी सिद्ध होंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

खालीपन में नकारात्मकता

एक बार महान कवि विलियम वर्ड्सवर्थ और उनकी बहन गांव में रहने गये। कुछ शरारती किस्म के ग्रामीण युवक आदतन उनके कुदरत के प्रति प्रेम तथा लगाव पर टिप्पणी करने लगे। कुछ देर उनको खामोशी से सुनने के बाद वर्ड्सवर्थ ने कहा कि आप मेरा उपहास उड़ाने से पहले यह बता दीजिए कि आप अपने खेतों की फसल, अपने मवेशी तथा मौसम के बारे में क्या जानते हैं। युवक सोच में पड़ गये। कुछ बोलते नहीं बना। अरे, कहिये न, आप क्या कहते हैं। वह कुछ जानते तो कहते। विलियम वर्ड्सवर्थ ने कहा कि इसी प्रकृति का नियम है यदि खेत में बीज न डाले जाएं तो कुदरत उसे घास-फूस से भर देती है। ठीक उसी तरह से अगर दिमाग में सकारात्मक विचार न रखे जाएं तो नकारात्मक विचार अपनी जगह बना ही लेते हैं।

सामयिक

समय की मांग है तार्किक पाठ्यक्रम

प्रियंका सौरभ

एनसीईआरटी कक्षा छह से दस तक की इतिहास, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव कर रहा है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली में शिक्षण सामग्री का संशोधन पाठ्यक्रम के लिए समान होना चाहिए। लेकिन भारत में स्कूली पाठ्यक्रम हमेशा नवीनतम शोध के साथ तालमेल बनाए रखते हैं। पक्षपातपूर्ण या संकीर्ण दृष्टिकोण से बचने के लिए स्वतंत्रता के बाद से, हमारी स्कूली पाठ्यपुस्तकें अकसर कला, साहित्य, दर्शन, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास में भारत की प्रगति को मान्यता देने से बचती हैं। पहले की पाठ्यपुस्तकें भारतीय इतिहास के बारे में एक ऐसा दृष्टिकोण बनाती हैं जो विश्व की सभ्यता पर भारत के गहन प्रभाव को दबा देती है। इसके परिणामस्वरूप हमारी राष्ट्रीय पहचान और ऐतिहासिक कथा के बारे में एक विषम धारणा बनती है। स्कूली विद्यार्थियों को कम उम्र में ऐतिहासिक घटनाओं और संघर्षों की आक्रामकता के संपर्क में लाना उन्हें संकट में डाल सकता है। स्कूली पाठ्यक्रम में शिक्षा के अनुचित चरणों में ऐतिहासिक संघर्षों का परिचय, बच्चों के दिमाग में व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ की कमी की धारणा को अमर कर सकता है। एक संतुलित कथा बच्चों के दिमाग में दुश्मनी और पूर्वाग्रह पैदा करने के जोखिम को कम करती है।

एकतरफा ऐतिहासिक तथ्य स्कूली बच्चों के बीच सामाजिक सामंजस्य और आपसी सम्मान में बाधा डालेंगे। सार्थक पाठ्यपुस्तक संशोधनों का विरोध एक पुरानी संकीर्ण वैचारिक विचार प्रक्रिया को दर्शाता है, जो भविष्य में ऐतिहासिक शिकायतों और शत्रुता को शाश्वत बनाता है। एक संतुलित, विश्वसनीय और भरोसेमंद ऐतिहासिक कथा, संघर्ष समाधान और आपसी सम्मान के सकारात्मक उदाहरणों को रेखांकित करती है। यह छात्रों को अपने जीवन में सकारात्मक उदाहरणों और सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रेरित करती है। स्कूली छात्रों को एक संतुलित इतिहास पढ़ाना जो संघर्ष-आधारित कथाओं को कम करता है, उन्हें भारत की विरासत के बारे में बेहतर जानकारी के साथ जिम्मेदार और सहानुभूतिपूर्ण नागरिक बनने में सक्षम बनाता है। ऐसी पाठ्य पुस्तकें बच्चों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक आधार बनाती हैं, जो भविष्य के आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए आवश्यक है। संतुलित कथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने का कोई भी प्रयास अंत नहीं बल्कि एक शुरुआत है। छात्रों को ऐसी संतुलित पाठ्यपुस्तकों से जो आधार मिलता है, वह उन्हें बाद के वर्षों में एक गहरी ऐतिहासिक समझ बनाने में मदद करेगा। स्कूली पाठ्यपुस्तकों को छात्रों की उभरती जरूरतों को पूरा करने में उत्तरदायी होने के लिए बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है।

पाठ्य पुस्तकों में क्या पढ़ाया जाए और क्या न पढ़ाया जाए, इसकी चर्चा लगातार होती रही है, क्योंकि स्कूल की पाठ्यपुस्तकें ही वह माध्यम हैं, जिनके द्वारा सुविधाजनक विमर्श को आगे बढ़ाया जा सकता है। विवाद तब होता है, जब एक विमर्श आपके लिए सुविधाजनक होता है और दूसरे वर्ग के लिए असुविधाजनक। वर्तमान में इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में किए गए कुछ बदलावों से संबंधित विवाद को भी उसी संदर्भ में देखना चाहिए, जब एक वर्ग का सुविधाजनक दृष्टिकोण दूसरे वर्ग के विमर्श के अनुरूप नहीं होता है। देखा जाए तो इस प्रकार का विवाद पहली बार नहीं हुआ है। भारत के शैक्षणिक इतिहास में इस प्रकार के विवाद पहले भी होते रहे हैं। विश्व भर की शिक्षा व्यवस्थाएं अपने-अपने देश के पाठ्यक्रम को समझ और तार्किक दृष्टिकोण पर आधारित बनाना चाह रही हैं, वहीं हमारे देश में विवाद इस बात पर हो रहा है कि किस पक्ष का तथ्य सही है? यहां असुविधाजनक तथ्य को वृत्तांत की सहायता से सदैव छुपाने का प्रयास रहता है। इतिहास को न केवल तथ्यों से समझा जा सकता है और न केवल वृत्तांतों से। इसलिए यह आवश्यक है कि दोनों का उचित मात्रा में समावेश हो, मगर हमारे देश में इतिहास लेखन की शैली में तथ्य और वृत्तांत का विभाजन काफी बारीक है। इस विषय के पुनरावलोकन की आवश्यकता है। जहां पूरे विश्व की शैक्षणिक व्यवस्थाएं अपने स्वरूप को बदल रही हैं और छात्रों को तथ्यों से भरने के बजाय उन्हें इतिहास आधारित दृष्टिकोण से युक्त करने पर जोर दे रही हैं, जिससे छात्रों में इतिहास के प्रति एक वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित हो सके। आज के तकनीकी दौर में इतिहास बोध होने पर छात्र स्वयं ही ऐतिहासिक तथ्यों की पड़ताल कर सकता है।

किसी देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है कि वह अपने छात्रों को तथ्य आधारित, वस्तुनिष्ठ पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराए, क्योंकि यही छात्र भविष्य के विमर्श को न केवल आगे बढ़ाते हैं, अपितु नए विमर्श की शुरुआत भी करते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इतिहास में एकपक्षीय दृष्टिकोण से आगे बढ़कर चिंतन और तार्किक पाठ्यक्रम का विकास किया जाए। एनसीईआरटी से अपेक्षा है कि वह वर्तमान विवाद से अप्रभावित रहते हुए छात्रों के ऐतिहासिक दृष्टिकोण के विकास से संबंधित पाठ्यक्रम का विकास करेगी, न कि तथ्यों के चयन में छात्रों को उलझाएगी। पाठ्य पुस्तकें किसी देश की सरकार द्वारा दिया गया आधिकारिक कथन होती हैं। इस रूप में ये वैचारिक या सैद्धांतिक परियोजना होती है। इतिहास और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का पुनरीक्षण वैसे भी अधिक संवेदनशील होता है। ये विषम समकालीन प्रासंगिकता के मुद्दों पर विचार करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं।

उन्हें सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को इतिहास के पलड़े पर तौलकर, इतिहास और वर्तमान के बीच तार्किक सामंजस्य बनाना सिखाते है। इन पुस्तकों के माध्यम से विद्यार्थी देश-विदेश के सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर अपने विचार बनाने का प्रयत्न करता है। एनसीईआरटी की मूल पुस्तकों को इसी विचार के साथ रूप दिया गया था। कुल मिलाकर पाठ्यपुस्तकों से हटाई जाने वाली सामग्री, भारत के भूतकाल और वर्तमान की नकारात्मक धारणा पर आधारित है। यह मानसिकता कमजोर है, और केवल कुछ को हटाकर अपने इतिहास को बदलने का प्रयास करती है। इनके लिए भारतीय इतिहास के रचनात्मक, समावेशी, तार्किक, सुसंगत और विद्यार्थी अनुकूल संस्करण को लाना असंभव था, क्योंकि रचना में एक सकारात्मक गुण है, जिसे राजनीतिक ताकतें अकसर कम आंकती हैं।

नजरिया

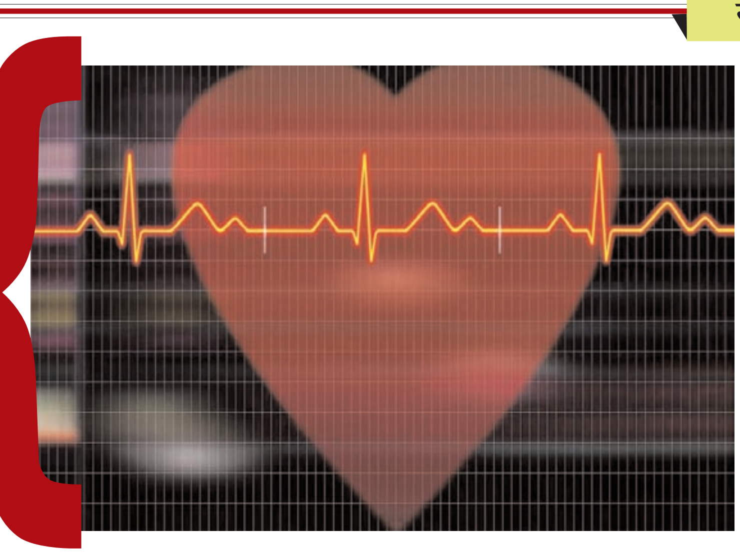

बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की स्वास्थ्य-समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो। यह बहुत कठिन काम नहीं है।

बढता हुआ कोलेस्ट्रॉल स्वास्थ्य के लिए घातक

ललित गर्ग

स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत का अनेक खतरों से रू-ब-रू होना चिन्ता में डाल रहा है। बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता के साथ मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसे रोग दबे पांव इंसानों को घेर कर बड़ी चुनौतियां बन रहे हैं, जिन्हें बड़े खतरों के रूप में देखा जाना चाहिए। इन्हीं बढ़ते खतरों के बीच देश में कोलेस्ट्रॉल एक नई स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की 22 सदस्यीय समिति ने अब अधिक कोलेस्ट्रॉल की वजह से होने वाले डिस्लिपिडेमिया को लेकर जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसी मायने में महत्वपूर्ण एवं स्वास्थ्य के मोर्चें पर गंभीर हैं। शरीर का यह ऐसा विकार है, जिसका पता अक्सर खुद उसके शिकार को भी नहीं चल पाता, क्योंकि अक्सर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते। नतीजा यह होता है कि वह धीरे-धीरे हृदय रोग और गंभीर स्थितियों में हृदयाघात जैसी समस्याओं की ओर बढ़ता जाता है। बहरहाल, इस संगठन ने भारत के बारे में जो आंकड़े दिए हैं, वे डराने वाले हैं। देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। कोलेस्ट्रॉल की पहचान के लिए लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। शरीर में लिपिड का लेवल कितना हो इसके लिए भारत की अपनी पहली गाइडलाइन बनाई गई है। कोलेस्ट्रॉल का बेहतर ढंग से इलाज दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ना बेहद खतरनाक होता है। इससे कई तरह की गंभीर शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। आज जितनी भी नई-नई बीमारियां उभर रही है, उसका कारण असंतुलित एवं सुविधावादी जीवनशैली है। डिस्लिपिडेमिया को जीवन शैली से जुड़ी समस्या माना जाता है। कहा जाता है कि इस समस्या के मूल में आर्थिक समृद्धि के कारण लोगों की खान-पान, नशा एवं उन्मुक्त जीवनशैली है। देर रात को सोना एवं सुबह देर से उठना, ना खाने का समय, ना शरीर को तपाने की कोई पद्धति। फास्ट-फूड के आधुनिक दौर में अब हमारे भोजन में ज्यादा शर्करा, ज्यादा कार्बोहाईड्रेट और ज्यादा वसा होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। निश्चित ही यह यह रोग अमीर लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है, लेकिन बड़ी समस्या यह है एक बड़ी आबादी इसकी गिरफ्त में आ गयी है। वह गरीब आबादी जो देश में आज मुफ्त अनाज पर निर्भर है। इसलिये बहुसंख्यक लोगों में इस रोग के पनपने एवं शारीरिक समस्या के लिए सिर्फ हम जीवनशैली को दोषी नहीं ठहरा सकते। यही वजह है कि भारतीय स्थितियों में इस समस्या के प्रसार के अभी और गहन एवं गंभीर अध्ययन की जरूरत है। इस बढ़ते खतरे को समय पर नियंत्रित नहीं किया गया तो भारत बीमारों का देश बन जायेगा। भारत में डिस्लिपिडेमिया की बीमारी तेजी से फैल रही है, जो एक साइलेंट किलर की तरह है। इस बीमारी के लक्षण तो नजर नहीं आते लेकिन यह धीरे-धीरे शरीर में अपनी जड़े जमाने लगती है और हार्ट अटैक जैसी खतरनाक बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है। निश्चित ही कोलेस्ट्रॉल को लेकर जो खबर आई है, वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसके पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफ तो की ही जानी चाहिए। पहली बार देश में कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं।

अभी तक जब देश के डॉक्टर मरीजों के कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा में कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी के दिशा-निर्देशों के तहत कर रहे होते थे। हार्ट अटैक को लेकर अक्सर ये कहा जाता रहा है कि डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्ट्रेस, तंबाकू सेवन, मद्यपान आदि के कारण हार्ट अटैक होते हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत में हार्ट अटैक के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जो चीज देखी गई है, वह है डिस्लिपिडेमिया यानि लिपिड प्रोफाइल जो भारत में 80 फीसदी लोगों में नॉर्मल नहीं है और न ही लोगों को इसकी जानकारी ही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में पिछले 10 सालों में दिल का रोग बढ़ता गया है। इसका बड़ा कारण खानपान, खराब एवं असंतुलित हुई जीवनशैली, दैनिक शारीरिक गतिविधि में आई कमी सहित दूसरे कारण है।

इस बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की स्वास्थ्य-समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो। यह बहुत कठिन काम नहीं है। उदाहरण भी हमारे पास है। सही तरीके से प्रचार के कारण ही कोविड के दौर में बहुत बड़ी आबादी ने मास्क पहनने, सार्वजनिक दूरी बनाने, खानपान को संतुलित करने के उपक्रम शुरू कर दिए थे।

कोलेस्ट्रॉल के इलाज को सर्वसुलभ बनाने के रास्ते भी हमें खोजने होंगे। हमारे देश की आधी आबादी शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं है। भारत की जनता शारीरिक रूप से सक्रियता के मामले में दुनिया में 12वें नबंर पर है। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल के अनुसार हमारे देश में 57 फीसदी महिलाएं शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। वहीं, इस सूची में पुरुष तकरीबन 42 फीसदी है।

दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूची दुनिया के लिये चिन्ता का विषय है। अस्वास्थ्य वर्तमान युग की एक व्यापक समस्या है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेध घेरा है। निरन्तर बढ़ती हुई बीमारियों को रोकने के लिये नई-नई चिकित्सा पद्धतियां असफल हो रही है। जैसे-जैसे विज्ञान रोग-प्रतिरोधक औषधियों का निर्माण करता है, वैसे-वैसे बीमारियां नये रूप, नये नाम और नये परिवेश में प्रस्तुत हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ स्वस्थ खाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि कैसे दुनिया एक साथ आकर सभी को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है।

भारत की चिकित्सा स्थितियां एवं सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां सुधर रही हैं, वहीं स्वास्थ्य-स्थितियां नई-नई चुनौतियां लेकर खड़ी हो जाती है। इसलिये चिकित्सा-स्थितियों के साथ-साथ स्वास्थ्य-स्थितियों में सुधार की तीव्रता से अपेक्षा है। भारत में स्वास्थ्य-क्रांति का शंखनाद हो, यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करे। बीमारियों पर नियंत्रण के लिये योग एवं साधना, संतुलित आहार एवं संयमित जीवनशैली को भी प्रोत्साहित किया जाये। जितनी भी मानसिक और कायिक बीमारियां या विकृतियां उत्पन्न होती है, वे इस बात की गवाह है कि किसी एक ने 'रोड क्रोसिंग' पर खड़े 'ट्रेफिक पुलिस' के निर्देशों की उपेक्षा कर 'ओवर टेकिंग' की कोशिश की है। सारी दुनिया में बढ़ते हुए मनोरोग एवं हृदयरोग इसी आंतरिक अव्यवस्था का परिणाम है। अन्य असाध्य बीमारियों का कारण भी असंतुलित जीवनशैली है। इसलिये अच्छे स्वास्थ्य के लिये मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बरतना नितान्त अनिवार्य है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुरक्षा परिषद, डब्ल्यूटीओ में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है ब्रिक्स : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रमुख विकासशील देशों का संगठन 'ब्रिक्स' वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एवं विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित 'ब्रिक्स संसदीय मंच' में उन्होंने समावेशी और सतत विकास के ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने में संसद और सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए यह भी कहा कि भारत इस दिशा में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है।

लोकसभा सचिवालय की ओर से नई दिल्ली में जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 'ब्रिक्स संसदीय मंच' में चार नए सदस्यों मिस्र, इथोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्वागत करते हुए बिरला ने नए सदस्यों को संगठन में निर्बाध रूप से शामिल किए जाने के लिए रूस

की अध्यक्षता की सराहना की।

लोकसभा अध्यक्ष का कहना था, ''विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला ब्रिक्स वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने तथा वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।'' उन्होंने उभरते बाजारों और विकासशील देशों को एकजुट करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ ही परस्पर सम्मान, समझ, समानता, एकजुटता, पारदर्शिता, समावेशिता और आम सहमति के सिद्धांतों के प्रति भारत की निष्ठा के बारे में भी बात की । उन्होंने भारत में हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव का उल्लेख किया और कहा कि लोक सभा चुनाव में लगभग 65 करोड़ मतदाताओं ने वोटिंग की जिसके पश्चात नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधान मंत्री पद की शपथ ली। बिरला का कहना था, ''यह मेरा सौभाग्य है कि देश के निर्वाचित सदन लोकसभा ने मुझे लगातार दूसरी बार स्पीकर पद पर निर्वाचित किया।''

ब्रिक्स के सदस्य देशों और अन्य बहुपक्षीय मंचों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हुए ओम बिरला ने कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात समस्त संसार एक परिवार है के सिद्धान्त पर चलता है जो ब्रिक्स द्वारा अभिव्यक्त समानता, एकजुटता और परस्पर लाभकारी सहयोग की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

ब्रिटिश भारतीय सांसदों ने 'भगवद् गीता', 'गुटका', 'बाइबिल' की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटिश संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के लिए नवनिर्वाचित भारतीय मूल के सांसद देश के प्रति वफादारी के प्रतीक के रूप में महाराजा के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ ले रहे हैं। इसके लिए उन्होंने धार्मिक ग्रंथों पर हाथ रखकर शपथ ली।

शैलेश वारा द्वारा स्पीकर लिंडसे होयल को 'भगवद् गीता' की एक नई प्रति भेंट की गई। शैलेश वारा कंजर्वेटिव पार्टी के पूर्व सांसद हैं, जो पिछले सप्ताह के आम चुनाव में कैम्ब्रिजशर सीट से हार गए थे। मंगलवार को शपथ लेने वाले पहले ब्रिटिश भारतीय सांसदों में ऋषि सुनक भी शामिल थे, जिन्होंने विपक्ष के नेता के रूप में शपथ ली। पूर्व प्रधानमंत्री सुनक ने परम्परागत पाठ पढ़ा: मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं कानून के अनुसार महामहिम महाराजा चार्ल्स, उनके उत्तराधिकारियों और आने वाली पीढ़ियों के प्रति वफादार रहूंगा और सच्ची निष्ठा रखूंगा। इसलिए ईश्वर मेरी मदद करें। पहली बार सांसद बने भारतीय मूल के कनिष्क नारायण ने अपनी शपथ के लिये 'गीता' को चुना। वह वेल ऑफ ग्लामोरगन सीट से लेबर पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते हैं। लीसेस्टर से चुनाव जीतने वाली भारतीय मूल की शिवानी राजा ने भी 'गीता' पर हाथ रखकर शपथ ली।

राजनीतिक स्थिरता व विकास के लिये है नेपाली कांग्रेस-यूएमएल गठबंधन : ओली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' को छोड़कर नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार बनाने के अपनी पार्टी के फैसले का बचाव करते हुए सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष के पी शर्मा ओली ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता और देश के विकास के लिए यह आवश्यक है।

सत्तारूढ़ गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल ने पिछले सप्ताह नेपाली कांग्रेस के साथ सत्ता साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। माना जा रहा है कि प्रचंड शुक्रवार को विश्वास मत हासिल नहीं कर पाएंगे।

नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और इसके 89 सदस्य हैं जबकि सीपीएन-यूएमएल के 78 सदस्य हैं । दोनों दलों के एक साथ आ जाने के बाद नये गठबंधन के पास 167 सदस्य हो गये हैं जो बहुमत के लिये आवश्यक 138 सीट से कहीं अधिक है। प्रचंड की पार्टी के पास कुल 32 सीट है। प्रचंड के विश्वासमत हसिल नहीं कर पाने की सूरत में ओली शनिवार को प्रधानमंत्री बन सकते हैं और रविवार को वह पद और गोपनीयता की शपथ ले सकते हैं। पार्टी सचिवालय में बुधवार को ओली (72) ने कहा कि दो बड़े राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन ''देश के विकास और राजनीतिक स्थिरता को बनाये रखने के लिये आवश्यक था।''

सीपीएन-यूएमएल के आठ कैबिनेट मंत्रियों के इस्तीफे के बाद प्रचंड (69) ने घोषणा की थी कि वह त्यागपत्र नहीं देंगे बल्कि संसद में विश्वास मत का सामना करेंगे।

नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल ने संसद के शेष तीन साल के कार्यकाल के लिए बारी-बारी से सरकार का नेतृत्व करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

विदेशी ऑर्डर पूरा करने के लिए दिन-रात काम में जुटे कोलकाता के मूर्तिकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े पर्व दुर्गा पूजा में अभी लगभग तीन माह शेष है, लेकिन मूर्तिकारों का केंद्र कहे जाने वाले उत्तरी कोलकाता के कुम्हारटोली इलाके में कारीगर विदेशी ऑर्डर को समय पर पूरा करने के लिए दिन-रात मूर्तियों को तराशने में जुटे हुए हैं।

विदेशों से पूजा आयोजकों के ऑर्डर को पूरा करने के लिए अलग-अलग आकार में देवी की मूर्तियों को सावधानीपूर्वक तैयार किया जा रहा है। इस वर्ष दुर्गा पूजा नौ से 13 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

प्रसिद्ध मूर्तिकार कौशिक घोष लंदन की दुर्गोत्सव समिति के लिए आठ फुट से अधिक ऊंची फाइबरग्लास मूर्ति बनाने में जुटे हैं और इसके लिए वह दिन-रात काम कर रहे हैं।

घोष ने कहा, ''इस साल कम से कम 36 मूर्तियां ब्रिटेन, अमेरिका, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, रूस और सिंगापुर जैसे देशों में भेजी जाएंगी। इस खेप का आधा हिस्सा इसी माह समुद्र या हवाई मार्ग से भेजा जाएगा, जबकि बाकी अगस्त तक भेजा जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''हम हर मूर्ति में मां दुर्गा के 'साबेकी' (पारंपरिक) रूप को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, हम कुछ न कुछ खास करने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, लंदन की पूजा में एक 'एकचाला' मूर्ति होगी...।''

एक अन्य कारीगर मिंटू पाल विदेशों की 21 पूजा समितियों के लिए मूर्तियां बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि 11 मूर्तियां पहले ही अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, फ्रांस, स्पेन, स्विटजरलैंड और दुबई जैसे देशों में भेजी जा चुकी हैं।

पाल ने कहा, ''छह मूर्तियां अमेरिका भेजी गई हैं, जहां विभिन्न प्रांतों में रहने वाले बंगाली प्रवासी इस पर्व को धूमधाम से मनाते हैं। इसी तरह जर्मनी और स्विटजरलैंड में रहने वाले बंगाली समुदाय के लोग भी दुर्गा पूजा के लिए उतने ही उत्साहित रहते हैं।''

मूर्तिकार मंटू पॉल ने बताया कि उनकी एक मूर्ति पहले ही अमेरिका के फ्लोरिडा भेज दी गई है, तथा उसी स्थान के लिए दो और मूर्तियां बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

पॉल ने कहा, ''आने वाले हफ्तों में मूर्तियां जर्मनी, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया भेजी जाएंगी।'' उन्होंने बताया कि मां दुर्गा की छोटी प्रतिमाओं के इच्छुक आयोजकों के लिए दो 'एकचाला' प्रतिमाएं तैयार रखी हैं, जिनमें से प्रत्येक लगभग तीन फीट ऊंची है।

पॉल ने कहा, ''एक मूर्ति की कीमत लगभग 15,000 रुपये है। ये मूर्तियां बंगाली संगठनों या मित्रों के समूहों द्वारा खरीद के लिए उपलब्ध हैं।''

कारीगर मूर्तियों की बुकिंग प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन मंचों का भी उपयोग कर रहे हैं।

प्यार की तलाश में दो अफ्रीकी शेरों ने की सबसे लंबी तैराकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शेरनियों के प्यार की तलाश में दो शेरों ने दरियाई घोड़ों और मगरमच्छों से प्रभावित मानी जाने वाली अफ्रीकी नदी को 1.3 किलोमीटर तक तैरकर पार किया। इससे यह दृश्य साक्ष्य के साथ अफ्रीकी शेरों का सबसे लंबे समय तक तैरने का रिकॉर्ड बन गया। संबंधित दोनों शेर आपस में भाई बताए जाते हैं।

पत्रिका 'इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन' में प्रकाशित अध्ययन के लेखकों के अनुसार, शेरनियों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने और तैराकी से पहले के घंटों में मादा प्रेम के लिए लड़ाई हारने के बाद दोनों शेरों ने खतरनाक यात्रा पर निकलने का निर्णय किया क्योंकि उन्हें नदी के दूसरी ओर शेरनी मिलने की संभावना थी। अध्ययन से जुड़े लोगों ने ड्रोन कैमरों की मदद से काज़िंगा चैनल को पार करने से पहले युगांडा में क्वीन एलिजाबेथ नेशनल पार्क से गुजरते शेरों का वीडियो बनाया।

मानव हस्तक्षेप और अवैध शिकार के कारण पैंथेरा प्रजाति के शेरों की आबादी केवल पांच वर्षों में लगभग आधी हो गई है। इन शेर भाइयों की जोड़ी में से एक कई प्राणघातक घटनाओं से बचने के लिए जाना जाता है। अध्ययनर्ताओं ने इसे जैकब नाम दिया और कहा कि यह एक स्थानीय नायक है।

यूरोप, एशिया और अमेरिका के बीच खाई को पाटने की दिशा में काम कर रहे हैं: ब्लिंकन

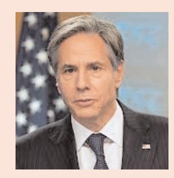

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन यूरोप, एशिया और अमेरिका के बीच की खाई को कम करने की कोशिश कर रहा है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को यहां नाटो शिखर सम्मेलन से इतर यह बात कही। इस शिखर सम्मेलन में अमेरिका के हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझेदारों- ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड को भी भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह लगातार तीसरी बार है जब अमेरिका ने अपने हिंद प्रशांत भागीदारों को आमंत्रित किया है। ब्लिंकन ने कहा,'' जब रूस ने आक्रामकता दिखाई और यूक्रेन पर आक्रमण किया जब जापान खड़ा हुआ, दक्षिण कोरिया खड़ा हुआ, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड भी आगे आए। यह एक प्रकार से इस बात की स्वीकार्यता है कि ये चुनौतियां जुड़ी हुई हैं और जब लोकतंत्र एकजुट होते हैं तो हम और मजबूत होते हैं, प्रभावशाली होते हैं फिर चाहे हम यूरोप में हों, एशिया में हों या फिर कहीं और।''

'हीरामंडी' के अभिनेता ताहा शाह ने 'अपने आदर्श' टॉम क्रूज से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' के अभिनेता ताहा शाह बदुशा ने सुपरस्टार टॉम क्रूज से हाल ही में लंदन में मुलाकात की।

ताहा शाह ने इंस्टाग्राम पर क्रूज के साथ एक तस्वीर और वीडियो साझा किया और टॉम क्रूज को 'अपना आदर्श' बताया। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा ''अभी अपने आदर्श टॉम क्रूज से मुलाकात की।'' वीडियो में वह क्रूज के साथ बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में क्रूज ने जब ताहा शाह को गले लगाया तो वह मुस्कुरा रहे थे। ताहा शाह ने नेटफ्लिक्स पर प्रसारित वेब सीरीज ''हीरामंडी'' में ताजदार बलूच नामक एक युवा एवं विद्रोही नवाब की भूमिका निभाई थी जिसमें उन्हें काफी पसंद किया गया। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया था। क्रूज जल्द ही ''मिशन: इम्पॉसिबल - 8'' में नज़र आएंगे।

कृति सैनन ने अलीबाग में 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' की परियोजना में खरीदी जमीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने महाराष्ट्र के अलीबाग में रिएल्टी कंपनी 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' की परियोजना में 2,000 वर्ग फुट जमीन खरीदी है।

'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि अभिनेत्री कृति सैनन ने उसके प्रीमियम प्रोजेक्ट 'सोल डे अलीबाग' में 2,000 वर्ग फुट जमीन खरीद है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने अपने पहले निवेश पर कहा, '' खुद से जमीन खरीदना मेरे खुद के सशक्तीकरण की यात्रा रही। काफी समय से मेरी नजर अलीबाग पर थी।'' हाल में अमिताभ बच्चन ने अलीबाग में इसी प्रोजेक्ट में 10,000 वर्ग फुट का प्लॉट खरीदा है।

फ्लोरेंस में किसी ने हमारा पासपोर्ट, नकदी चोरी कर ली : दिव्यांका त्रिपाठी

नई दिल्ली/भाषा। इटली के फ्लोरेंस शहर में छुट्टियां मनाने गईं टीवी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया की गाड़ी की खिड़की का शीशा तोड़कर उनके पासपोर्ट, नकदी और क्रेडिट तथा डेबिट कार्ड चोरी कर लिये गये। त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को फ्लोरेंस से ही फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वे प्राथमिकी दर्ज करवा रहे हैं और मदद के लिए भारतीय दूतावास से भी संपर्क कर रहे हैं। त्रिपाठी और दहिया फ्लोरेंस के निकट एक रिजॉर्ट में ठहरे हुए हैं जहां पर्यटन शहर से वाहन से पहुंचने में आधे घंटे का समय लगता है। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार दोपहर में हुई। टीवी धारावाहिक 'ये है मोहब्बतें' से लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री ने बताया कि इस घटना के बारे में उन्हें शाम को पता चला।

त्रिपाठी ने कहा, ''हमने उसी दिन होटल में चेक-इन किया था। होटल प्रबंधन को पता था कि हमारा सामान गाड़ी में है और उन्होंने हमसे कहा भी था कि सामान सुरक्षित रहेगा। चूंकि हमें काफी भूख लगी थी तो हम पहले खाना खाने चले गये। हम भी सामान की सुरक्षा को लेकर निश्चिंत थे कि क्योंकि यह एक रिजॉर्ट है कोई सड़क नहीं।'' अभिनेत्री का कहा कि या तो किसी ने उनके पति और उनका पीछा कर इस वारदात को अंजाम दिया या फिर ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। त्रिपाठी ने कहा, ''चोरों ने कार की खिड़की का शीशा तोड़ा और पिछली सीट पर रखा सारा सामान ले गए जिनमें पासपोर्ट, डेबिट तथा क्रेडिट कार्ड, नकदी शामिल हैं। यहां इस तरह की घटना से हैरान हूं। हालांकि, होटल के लोग हमारी मदद कर रहे हैं। होटल और उसके परिसर में सीसीटीवी नहीं है, इसलिए हमने सबूत के तौर पर वीडियो बनाया और तस्वीरें ली हैं।'' उन्होंने दावा किया कि शाम छह बजे के बाद कोई भी इटली में प्राथमिकी दर्ज नहीं करवा सकता है।

तेल टैंकर पोत 'एडवांटेज स्वीट' अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र की ओर बढ़ा, ईरान ने किया था जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान द्वारा लगभग एक वर्ष पहले जब्त किया गया एक तेल टैंकर पोत बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। 'ट्रैकिंग डाटा' से यह जानकारी सामने आई है।

मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाला टैंकर 'एडवांटेज स्वीट' होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर बढ़ गया है और इसी जलक्षेत्र में अप्रैल 2023 में ईरान की नौसेना ने इसे जब्त कर लिया था। ईरान ने हालांकि टैंकर के आगे बढ़ने की बात स्वीकार नहीं की। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब ईरान की एक अदालत ने अमेरिका सरकार को आदेश दिया कि वह तेहरान पर वाशिंगटन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से दुर्लभ त्वचा विकार से पीड़ित लोगों के लिए स्वीडन की एक कंपनी से विशेष पट्टियों की आपूर्ति रुकने की वजह से 6.7 अरब डॉलर से अधिक का मुआवजा प्रदान करे।

ईरान के तेहरान स्थित अंतरराष्ट्रीय संबंध कानून न्यायालय के इस आदेश से पहले ईरान ने पिछले साल पश्चिम के साथ तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी ऊर्जा कंपनी शेवरॉन कॉर्प के लिए कुवैती कच्चे तेल से संबंधित पांच करोड़ डॉलर का सामान जब्त कर लिया था।

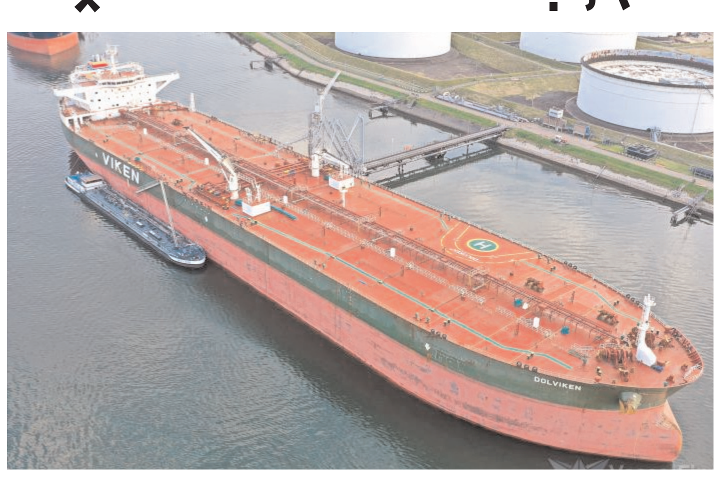

सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' की खबर के अनुसार 6.7 अरब डॉलर के मुआवजे से संबंधित आदेश 300 वादियों की ओर से दायर मुकदमे में आया। खबर में कहा गया है कि प्रतिबंधों के कारण स्वीडन की कंपनी द्वारा विशेष पट्टियों की आपूर्ति न किए जाने से 'एपिडर्मोलिसिस बुलोसा' नामक दुर्लभ त्वचा रोग से 20 मरीजों की मौत हो गई। यह आदेश तब आया है जब अमेरिकी न्यायाधीशों ने ऐसे फैसले दिये हैं जिनमें तेहरान से जुड़े हमलों और उसके द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों तथा उन्हें देशों के बीच बातचीत में मोहरे के रूप में इस्तेमाल किए जाने को लेकर ईरान से अरबों डॉलर का भुगतान करने को कहा है।

भारतीय जहाज के कैप्टन और चालक दल को लाल सागर बचाव मिशन में अभूतपूर्व साहस के लिए अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। तेल टैंकर के कैप्टन अभिलाष रावत और उनके चालक दल को लाल सागर बचाव मिशन में उनके साहस और समुद्र में बहादुरी के लिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) 2024 पुरस्कार विजेता के लिए नामित किया गया है। अग्निशमन और क्षति नियंत्रण प्रयासों के समन्वय के दौरान दृढ़ संकल्प और धीरज का प्रदर्शन करने पर आईएमओ ने रावत और उनके चालक दल को बुधवार को वर्ष 2024 के लिए विजेता घोषित किया। वर्ष की शुरुआत में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा कथित तौर पर दागी गई जहाज-रोधी मिसाइल के उनके जहाज 'मार्लिन लुआंडा' पर गिरने से भीषण आग लग गई थी।

भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस विशाखापत्तनम के कैप्टन बृजेश नांबियार और चालक दल को भी संकट के समय तेल टैंकर की सहायता करने के लिए प्रशस्तिपत्र प्रदान किया है। कैप्टन रावत और उनके चालक दल तथा कैप्टन जॉर्ज फर्नांडो गैलाविज फूएंटेस और टगबोट पेमेक्स माया के चालक दल को मार्शल द्वीप समूह द्वारा पुरस्कार के लिए नामित किया गया। ये लोग दो दिसंबर को लंदन में समुद्री सुरक्षा समिति के 109वें सत्र के दौरान प्रस्तावित वार्षिक समारोह में पुरस्कार प्राप्त करेंगे। 15 सदस्य देशों और आईएमओ के साथ परामर्शदात्री स्थिति में तीन गैर-सरकारी संगठनों से कुल 41 नामांकन प्राप्त हुए। नामांकनों की शुरुआत में मूल्यांकन पैनल द्वारा समीक्षा की और उनकी सिफारिशों पर न्यायाधीशों के एक पैनल ने विचार किया। इसके बाद विजेताओं का चयन किया गया।

न्यायाधीशों के पैनल की सिफारिशों को अब आईएमओ परिषद द्वारा अनुमोदित कर दिया है, जिसका 132वां सत्र इस सप्ताह लंदन में आयोजित हो रहा है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवन अनिश्चितताओं से भरा लंबा यात्रा-पथ है। यहां किसी के जीवन में कुछ भी घटित हो सकता है। हमारे मन का सोचा हुआ सब सार्थक होगा, यह मानकर चलना बहुत बड़ी भूल है। इसीलिए अच्छे अवसरों का लाभ उठाने का भरपूर प्रयत्न करना चाहिये। जीवन की सफलता का यही मूलमंत्र है। अक्सर देखा जाता है कि लक्ष्मीदेवी तिलक करने द्वार पर आयी और मनुष्य मुंह धोने के लिए चला गया। जब वह वापस लौटा, तब तक लक्ष्मी विदा हो चुकी थी। नीति और धर्मशास्त्रों ने इसे निपट मूर्खता कहा है।

राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के प्रमुख टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का टी नगर स्थित पद्म शेषाद्री बाल भवन में सम्मान किया गया। इस विशेष अवसर पर पीएसबीबी की डीन और डायरेक्टर शीला राजेंद्रन, स्कूल प्रिंसिपल और शिक्षकों ने शरत कमल को उनकी अद्वितीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया और आगामी ओलंपिक खेलों के लिए शुभकामनाएं दीं।। ज्ञातव्य है कि शरत ने इस बाल भवन में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। समारोह में टी नगर, केके नगर, नुंगमबक्कम और सिरुसेरी के उभरते हुए टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने भी भाग लिया और शरत कमल को 26 जुलाई से पेरिस में होने वाले आगामी ओलंपिक खेलों के लिए शुभकामनाएं दीं। सिरुसेरी शाखा के उभरते हुए टेबल टेनिस खिलाड़ी आदि जैन और अतिशय जैन ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता और शुभकामनाओं का कार्ड दिया। बच्चों ने शरत कमल की प्रेरणादायक यात्रा से सीख लेते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी। शरत कमल ने अपने संबोधन में अपने परिवार, शिक्षकों और वहां उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद किया।

जहां अन्तर की जागृति होती है, वहां बोधि सुलभ है : युवाचार्य महेंद्रऋषि

नार्थ टाऊन एसएस जैन संघ में हुई धर्मसभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय स्थानकवासी जैन संघ नार्थ टाऊन में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी महाराज ने गुरुवार को प्रवचन में कहा कि जहां हमारी अन्तर की जागृति रहती है, वहां बोधि यानी आत्म जागृति सुलभ है। उन्होंने कहा बाहर से जागना भी महत्वपूर्ण है। ऐसा व्यक्ति द्रव्य निद्रा से जागा, वह कभी कभी भाव निद्रा से भी जागा रहता है। जितना जागा रहेगा उतना पाप कम करेगा। यदि कोई व्यक्ति की रुचि पाप में है, वह द्रव्य रुप से जाग भी जाए तो सबके लिए परेशानी का सबब होता है। उस अवस्था में वह द्रव्य रुप से जगा है, भाव निद्रा से नहीं्। उसके लिए भाव की निद्रा मोह की निद्रा है। मोह की निद्रा उस शराबी की तरह होती है, जो यह सोचता है कि दुनिया उल्टी चल रही है, मैं ही सही चल रहा हूं। वह मोह की निद्रा उसके जीवन, साधना के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ने देती। जिसकी मोह निद्रा हटी, उसे बोधि प्राप्त हो सकती है। बोधि निद्रा यानी मोक्ष की ओर पहला कदम। उन्होंने कहा जागृति, सम्यक में जो खुद चल सकता है उसे मोक्ष का रास्ता जल्दी मिल जाता है। मोह की

निद्रा कम हो गई तो ऐसे घर में जन्म मिलेगा, जहां धर्म हो। साधना पुण्य से ही मिल सकती है। जब मोह हमारे ऊपर हावी रहता है तो साधना नहीं हो सकती। जैसे हाथी दल- दल में फंसा हुआ है और उसे किनारा नहीं दिख सकता। उसी तरह मोह ने हमें दल-दल में फंसाकर रखा है। मोह निद्रा तब ही टूटेगी जब तीन बातें रहेगी। पहली सम्यक दर्शन में अनुराग यानी आत्म दर्शन में जुड़ना। दूसरी अनियाणा। अनियाणा यानी जैसा है, वह स्वीकार है। नियाणा दोष है।

उन्होंने कहा, आज हमने साधना, आराधना की कीमत घटा दी है। अगर आप कोई चीज याचना से मांगते हो, उसे शास्त्रों में चोरी कहा गया है। आपका हक है तो वह चीज आपके पास आ जाएगी। अपनी साधना या किसी शक्ति से अपेक्षा मत रखो। जो आपको मिलना है, वह मिलते जाएगा। अगर कुछ नहीं मिला तो यह सोचना, आपके भाग्य में वह नहीं था्। साधना में फल की इच्छा करना नियाणा है। जो अपेक्षा से रहित होकर आगे बढ़ता है, उसे बोधि सुलभ होगी। प्रवचन के दौरान जलगांव, बडनेरा आदि शहरों से कई श्रद्धालु युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ उपस्थित हुए्। संघ के अध्यक्ष अशोक कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए्। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ की ओर से सज्जनराज तालेड़ा ने आगामी चातुर्मास के कार्यक्रमों की जानकारी दी। युवाचार्यश्री की शुक्रवार को नार्थ टाऊन जैन संघ में स्थिरता रहेगी।

आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वर का चातुर्मास प्रवेश 15 जुलाई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में प्रेमभुवन सूरी समुदाय के आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी, साध्वी मौनज्योतिश्रीजी एवं रत्नज्योतिश्रीजी का चातुमार्सिक प्रवेश 15 जुलाई को होने जा रहा है। मंदिर ट्रस्ट के सचिव सुरेश कागरेचा ने बताया कि संतों का संयम सुवर्ण चातुर्मास ट्रस्ट द्वारा कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में सामैया शोभायात्रा एवं गहुली प्रातः काल 8:15 बजे से एलिफेंट गेट वॉलटैक्स रोड से प्रारंभ होगी, तत्पश्चात गुरुभगवंतों का वरघोड़ा विभिन्न मार्गो से होते हुए चातुर्मास स्थल आराधना भवन पहुंचेगा और धर्मसभा होगी। आगामी चार महीने संघ में धर्म की गंगा बहेगी, साथ ही 128 दिन में 99 बियासना,स्वास्थ्य शिविर सिद्धितप आदि का आयोजन किया जाएगा।

साधना के साथ सेवा आवश्यक : जैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भगवान महावीर फाउंडेशन के संस्थापक सुगालचंद जैन ने कहा कि आत्म साधना के साथ परोपकार और सेवा भी आवश्यक है। गुरुवार को किलपॉक में हिंदी मासिक पत्रिका जिनवाणी के संपादक और सम्यकज्ञान प्रचारक मंडल के कार्याध्यक्ष डॉ. धर्मचंद जैन के सम्मान में आयोजित परिचर्चा में उन्होंने कहा कि शिक्षा का उजाला फैलाकर समाज का उत्थान किया जा सकता है। मंडल के पूर्व अध्यक्ष कैलाशमल दुगड़ ने कहा कि यह गौरव की बात है कि साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग दक्षिण भारत में रहकर ज्ञान की उपासना कर रहे हैं्। उन्होंने कहा कि डॉ. धर्मचंद जैन विगत तीन दशक से उच्च मानक और श्रेष्ठ स्तर के साथ जिनवाणी का संपादन कर रहे हैं। डॉ. जैन ने कहा कि समाज की विसंगतियों पर निडरता व निष्पक्षता से लिखा जाना चाहिये। कवि डॉ. दिलीप धींग ने कहा, यह विडंबना है कि कुछ विद्वान लोग भी अनियमितता व पक्षपात करते हैं्। इस अवसर पर जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया व युवक परिषद के अध्यक्ष संदीप ओस्तवाल भी उपस्थित थे। फाउंडेशन के न्यासी विनोद जैन ने धन्यवाद दिया।

गुरु नानक कालज में आध्यात्मिक संगम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के वेलाचेरी स्थित गुरु नानक कॉलेज में मंगलवार को गुरुनानक एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा आध्यात्मिक ज्ञानोदय के लिए सबील(रोज मिल्क वितरण) सेवा का आयोजन किया गया। अमृतसर के हरमिंदर साहिब दरबार के प्रमुख ग्रंथी ज्ञानी बलविंदर सिंह ने सेवा का शुभारंभ किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथियों में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉक्टर दविंदर कौर, गुरु प्रबंधक बोर्ड हैदराबाद के सचिव डॉक्टर मनप्रीत सिंह आदि अनेक लोगों ने उपस्थित होकर सेवा दी। कार्यक्रम में बोलते हुए ज्ञानी बलविंदर सिंह ने गुरु ग्रंथ साहिब की कुछ पंक्तियों को उद्धत करते हुए कहा कि हमें पूरी मानवता के लिए निःस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए, गुरुग्रंथ हमें यही सीखता है। मानव जीवन क्षण भंगुर है हम पर ईश्वर की कृपा है इसलिए हमें उसका धन्यवाद करना चाहिए। कार्यक्रम में कॉलेज सचिव मंजीतसिंह नायर को संस्थान के विकास में उनके जुनून को सराहते हुए मुख्य अतिथियों द्वारा उन्हें प्रतिष्ठित 'शेर ए पंजाब पुरस्कार' से सम्मानित किया।

दक्षिण रेलवे के पेरांबूर कैरिज वर्क्स में लगी आग, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पेरांबूर कैरिज वर्क्स के पास सिग्नल और टेलीकॉम स्टोर में गुरुवार को सुबह 7.30 बजे आग लग गई थी। यह स्थान दक्षिण रेलवे एसएंडटी/प्रोजेक्ट यूनिट से संबंधित है, जहां विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक सामान रखे हुए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार ड्यूटी पर मौजूद नाइट वॉचमैन ने सुबह 7:30 बजे आग देखी और तुरंत ड्यूटी पर मौजूद आरपीएफ स्टाफ को सूचित किया। पेरांबूर कैरिज वर्क्स की अग्निशमन सेवा को इसकी जानकारी मिली और वे तुरंत आग बुझाने के लिए घटना स्थल पर पहुंचें। आईसीएफ अग्निशमन सेवा और अय्यनवरम,व्यासरपडी, थोंडैयारपेट्टई, कोलाथुर, सेम्बियम और वाशरमैनपेट से लगभग 6 दमकल गाड़ियों के साथ-साथ दक्षिणी रेलवे नागरिक सुरक्षा और सेंट जॉन्स एम्बुलेंस के कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत की और आग को फैलने से रोका। दक्षिणी रेलवे के अनेक अधिकारी, पर्यवेक्षक और कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मरम्मत कार्य में हाथ बंटाया। दोपहर तक आग पूरी तरह से बुझ गई।

परिसर में रखे इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे विजुअल डिस्प्ले यूनिट (वीडीयू), इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) सिस्टम, पीसी, एक्सल काउंटर, इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई (आईपीएस) सिस्टम, डेटालॉगर आदि आग में क्षतिग्रस्त हो गए। घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। दक्षिणी रेलवे के महाप्रबंधक ने जांच करने के लिए एसएंडटी, स्टोर और सुरक्षा विभागों के जेएजी अधिकारियों की 3 सदस्यीय समिति का आदेश दिया।

धर्म मार्ग पर अग्रसर होना ही सार्थक चातुर्मास प्रवेश : साध्वीश्री राजमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट स्थित जैन स्थानक में साध्वी राजमतिजी का चातुर्मास प्रवेश हुआ। प्रवेश शोभायात्रा तेरापंथ भवन से प्रारम्भ होकर साध्वीजी वृंद के साथ वालटेक्स रोड, एलीफेन्ट गेट स्ट्रीट और मिंट स्ट्रीट होते हुए जैन स्थानक पहुंचा। इसी दौरान मुमुक्षु दीपिका की शोभायात्रा भी निकाली गई। कार्यक्रम में विभिन्न साध्वियो ने चातुर्मास के महत्व को रेखांकित करते हुए, उपस्थित जनसमुदाय को चातुर्मास के दौरान अधिक से अधिक धर्म कार्य करने और पाप कर्म से दूर रहने का आव्हान किया।

धर्मसभा में विशेष रूप से पधारी साध्वीश्री कंचनकंवरजी ने साध्वी राजमतीजी को चातुर्मास के लिए मंगलकामना दी। साध्वी विनयश्रीजी ने कहा कि चातुर्मास में भौतिक और सांसारिक प्रवेश से ज्यादा महत्वपूर्ण, आत्मा में धर्म का प्रवेश हैं।

मुमुक्षु दीपिका ने अपने मार्मिक उद्बोधन में उसके साधक जीवन में सहयोगी बनने के लिए गुरू मैया के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। संघ के अध्यक्ष श्री प्रकाशचन्द खिंवेसरा ने साध्वीजी के चातुर्मास को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से ऐतिहासिक बनाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए चैनई महानगर और आसपास के क्षेत्रों से आए अतिथियों का स्वागत किया।

'गिग वर्कर' के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कानूनी और सामाजिक सुरक्षा योजना की जरूरत : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक में 'गिग वर्कर' की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विधेयक को ऐतिहासिक कदम करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इन कामगारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह की एक कानूनी एवं सामाजिक सुरक्षा योजना की जरूरत है। कर्नाटक सरकार ने 'कर्नाटक प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर (सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक, 2024' का मसौदा पिछले महीने पेश किया था। काम के बदले भुगतान के आधार पर रखे गए कर्मचारियों, खासतौर पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए डिलीवरी का काम करने वाले लोगों को गिग वर्कर कहा जाता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' यह एक ऐतिहासिक कानून होगा जो राज्य में प्लेटफ़ॉर्म-आधारित गिग वर्कर को औपचारिक रूप से अधिकार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है।''

उनका कहना है कि इस कानून के तहत गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा और कल्याण कोष की स्थापना, गिग वर्कर्स के मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से रखने के लिए गिग वर्कर कल्याण बोर्ड की स्थापना, सभी गिग वर्कर्स का सरकार के पास अनिवार्य पंजीकरण जैसे कदमों का प्रावधान किया गया है। रमेश ने कहा, ''लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय से भारत के गिग वर्कर की आवाज़ मजबूती से उठा रहे हैं। तेलंगाना और कर्नाटक की कांग्रेस सरकारें एवं राजस्थान की पिछली कांग्रेस सरकार ने गिग वर्कर को न्याय दिलाने के लिए मजबूत कानून बनाए। गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा भी 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के न्याय पत्र द्वारा दी गई एक प्रमुख गारंटी थी।'' उन्होंने कहा, ''राज्य सरकारों से जितना बने करें लेकिन गिग वर्कर के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक कानूनी और सामाजिक सुरक्षा योजना की आवश्यकता है।

मिंजूर के चंद्रप्रभु कॉलेज में आयोजित हुआ फ्रेशर्स डे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के मिंजूर स्थित चंद्रप्रभु जैन कॉलेज फ्रेशर डे मनाया गया। स्वागत भाषण स्कूल के प्रबंधन समिति के सदस्य हितेंद्र मुनोत ने दिया। अध्यक्षीय भाषण प्राचार्या डॉ.एन.सुजाता ने दिया। अध्यक्षीय भाषण के दौरान प्राचार्य ने विद्यार्थियों को जैन कॉलेज की विशेषताओं और इसकी सुविधाओं के बारे में बताया और विभिन्न विभागों के प्रमुखों को नए विद्यार्थियों से भी परिचित कराया। वरिष्ठ छात्रों को हमारे कॉलेज के अनुभवों के बारे में अपने विचार साझा किए गए्।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अध्यक्ष नेमीचंद कटारिया ने छात्रों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। लाइब्रेरियन सुधा ने नये विद्यार्थियों को बुक बैंक सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 की बुक बैंक सुविधा का उद्घाटन किया और द्वितीय और तृतीय छात्रों को किताबें वितरित की। कार्यक्रम समन्वयक और वाणिज्य विभागाध्यक्षा जी.शांति ने धन्यवाद दिया।

'धर्म-प्रवचन है साक्षात सरस्वती'

बुद्धि-वीर वाटिका में हुआ धर्मसभा का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शुक्रवार से नजरबाद स्थित बुद्धि-वीर वाटिका, शिक्षक सदन चातुर्मास कार्यक्रम स्थल में नियमित धर्मसभा का शुभारंभ हो रहा है। नियमित चातुर्मास प्रवचनों के पहले गुरुवार को आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि प्रवचन जीवन-पथ का आवश्यक पाथेय है।

वैचारिक क्रांति और जीवन परिवर्तन का मार्ग यहीं से प्रशस्त होता है। जैसे भोजन से भूख मिटती है, उसी तरह धर्म के प्रवचनों से चित्त परितृप्त बनता है। भावदशा में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। युगों-युगों की विषय-वासनाओं से मनुष्य ऊपर उठता है। जन्मोजन्म के राग-द्वेष और कषायों से परिष्कृत होने की प्रेरणाएं मिलती हैं। प्रवचनों की महत्ता और उपयोगिता पर चर्चा करते हुए जैनाचार्य ने कहा कि धर्म, अध्यात्म के प्रेरक प्रवचन साक्षात सरस्वती है। जो जीवन मे कहीं सीखने को नहीं मिलता, वह ज्ञान, विद्या, भक्ति, भावना और प्रेरणाओं का बेशकीमती खजाना प्रवचनों से उपलब्ध होता है। वैदिक, जैन, बौद्ध और सिख धर्म के साहित्य में संतों के समागम और धर्मशास्त्रों के वचनों से मनुष्य के मार्मिक परिवर्तन के हजारों-हजारों प्रसंग उपलब्ध हैं। मनुष्य के भीतरी अंधकार को दूर करने के लिए प्रवचन प्रदीप की भूमिका निभाते हैं।

समय-समय पर सुषुप्त मन को ज्ञानदीपक से प्रज्ज्वलित करके ही हम जीवन के ध्येय को सार्थक कर सकते हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने आगे कहा कि अपने 42 वर्षों के संन्यास काल में मैंने हजारों जिंदगियों को प्रवचनों से परिवर्तित होते हुए नजरों से देखा है। लोगों में अकल्पनीय बदलाव देखे हैं। टूटते घरों को जुड़ते देखा है। आत्महत्या की राह से लोगों को मुड़ते देखा है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.